Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 245 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 28 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

किसानों की समृद्धि और खुशहाली से ही विकसित भारत का सपना होगा साकारः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- होली से पहले किसानों को मिलेगी 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धान के अंतर की राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि अन्नदाता देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ है और किसानों की समृद्धि और खुशहाली से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री से आज उनके निवास कार्यालय में प्रदेश के किसानों ने सौजन्य मुलाकात की और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से धान के अंतर की 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि होली से पूर्व किसानों के खातों में अंतरित करने की घोषणा पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर किसानों ने मुख्यमंत्री को धान से तौलकर प्रदेश के अन्नदाताओं की ओर से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सदैव किसानों की चिंता करते हैं और उनकी आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और किसानों की उन्नति ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि अटल जी के समय किसानों को सशक्त बनाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था लागू की गई, जिससे किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध होने लगा। इससे पहले किसानों को महाजनों से ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ता था, जिससे वे आर्थिक शोषण का शिकार होते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को ब्याज मुक्त पूंजी की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंच रहा है और प्रदेश में सिंचाई का रकबा लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीद रही है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि धान के अंतर की लगभग 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि होली से पूर्व किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी। 28 फरवरी को बिलासपुर जिले से इस राशि का अंतरण किया जाएगा और पूरे प्रदेश के विकासखंडों में इसे उत्सव की तरह मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष 25 लाख 24 हजार किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है।

कनाडाई पीएम मार्क कार्नी चार दिवसीय दौरे पर पहुंचे भारत, 2 मार्च को पीएम मोदी संग होगी मुलाकात

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पत्नी डायना फॉक्स कार्नी के साथ चार दिवसीय दौरे पर भारत पहुंच चुके हैं। मार्क कार्नी का बतौर प्रधानमंत्री पहला भारत दौरा है। पीएम कार्नी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2 मार्च को देश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुलाकात करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का भारत के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर मुंबई पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत है। यह दौरा भारत-कनाडा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल और मार्केटिंग मंत्री जय कुमार रावल ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत

किया। भारत-कनाडा पार्टनरशिप साझा डेमोक्रेटिक मूल्यों, लोगों के बीच मजबूत संबंधों और अलग-अलग सेक्टर में बढ़ते सहयोग पर आधारित है। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, 28 फरवरी को पीएम कार्नी मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वह 1 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे।

पीएम मोदी आज गुजरात जाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 28 फरवरी 2026 को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की नई सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट और पैकेजिंग फैसिलिटी का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर में शुरू होगा, जहां पीएम मोदी उद्घाटन के बाद मौजूद लोगों को संबोधित भी करेंगे। यह उद्घाटन भारत की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यात्रा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

रायपुर में चेट्रीचंड्र-पर्व की शोभायात्रा को मिली अनुमति

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में कानून-व्यवस्था और सुगम यातायात बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नर ने एक आदेश जारी किया था। इस आदेश के मुताबिक, जयस्तंभ चौक पर किसी भी तरह का जुलूस या शोभायात्रा निकालने की अनुमति नहीं होगी। इस पूरे इलाके को किसी भी कार्यक्रम और प्रदर्शन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस आदेश के बाद सिंधी समाज में बड़ी नाराजगी थी। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि अगले महीने चेट्रीचंड्र पर्व है। समाज शहर में बड़ा कार्यक्रम आयोजन करता है। ऐसे में अचानक यह आदेश का आना गलत है।

मार्च में 18 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। फरवरी का महीना अपनी समाप्ति की ओर है और मार्च 2026 की शुरुआत होने वाली है। ऐसे में अगर आप मार्च में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो पहले बैंक छुट्टियों की सूची जरूर देख लें।

कई बार जरूरी काम के लिए बैंक शाखा में जाना पड़ता है, लेकिन छुट्टी होने पर काम अटक सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की आधिकारिक हॉलिडे लिस्ट के अनुसार, मार्च 2026 में अलग-अलग राज्यों में कुल 18 दिन बैंक बंद रहेंगे। इनमें साप्ताहिक अवकाश, दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा विभिन्न राज्यों के त्योहार भी शामिल हैं। मार्च की शुरुआत 1 मार्च (रविवार) से होगी, जो देश भर में साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 2 मार्च (सोमवार) को होलिका दहन के अवसर पर उत्तर प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे। 3 मार्च (मंगलवार) को होली के मौके पर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और पंजाब समेत लगभग 15 राज्यों में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं, 4 मार्च (बुधवार) को कुछ राज्यों और शहरों में होली के दूसरे दिन भी बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद, 8 मार्च (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश रहेगा।

न्यायधानी को जाम से मुक्ति दिलाने केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू की बड़ी पहल

रिंग रोड परियोजना को केंद्र से हरी झंडी

बिलासपुर (विश्व परिवार)। बिलासपुर संसदीय क्षेत्र के शहरी नियोजित विकास और यातायात सुगमता की दिशा में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हुई है। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री एवं बिलासपुर लोकसभा के सांसद श्री तोखन साहू के दूरदर्शी प्रस्ताव और निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी जी ने 32 किलोमीटर लंबी %बिलासपुर रिंग रोड परियोजना को अपनी सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

माननीय मंत्री जी ने सांसद श्री तोखन साहू को पत्र प्रेषित कर अवगत कराया है कि परियोजना की व्यापक उपयोगिता एवं बिलासपुर की भविष्य की प्रशासनिक एवं औद्योगिक आवश्यकताओं को देखते हुए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा इस मार्ग की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) और व्यवहार्यता अध्ययन (Feasibility Study) तैयार करने की अनुशंसा कर दी गई है।

लगभग 32 कि.मी. लंबी यह रिंग रोड बोदरी (छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के समीप) से प्रारंभ होकर सेंदरी गांव (NH-130) तक निर्मित होगी।

राजेश कुमार शुक्ला तीसरी बार बने प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन, ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार श्री राजेश कुमार शुक्ला को पुनः सेवा वृद्धि प्रदान की गई है। वे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में प्रबंध निदेशक के पद पर तीसरी बार नियुक्त किये गये है। श्री शुक्ला ने राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ को संवारने और राज्य शासन के रीति-नीति के अनुरूप विद्युत विकास के मामले में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाये रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एवं पॉवर कंपनी के अध्यक्ष (ट्रांसमिशन) श्री सुबोध कुमार सिंह तथा ऊर्जा सचिव व पॉवर कंपनी के अध्यक्ष (डिस्ट्रीब्यूशन-जनरेशन) डॉ. रोहित यादव के प्रति भी आभार जताया।

जबलपुर (मध्यप्रदेश) में 8 जुलाई 1963 को जन्मे श्री शुक्ला ने वर्ष 1983 में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर से बी.ई इलेक्ट्रिकल कर स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1984 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल, जबलपुर में सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के रूप में सेवायात्रा प्रारंभ की और आगे विभिन्न पदों पर रहते हुए वर्ष 2024 में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी में प्रबंध निदेशक के शीर्ष पद पर नियुक्त हुए।

वित्तीय कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने किया वाकआउट

रायपुर (विश्व परिवार)। विधानसभा में आज बजट में सम्मिलित कार्यों को वित्तीय स्वीकृति नहीं दिए जाने तथा फ्लाईएस एवं कोल डस्ट की अवैध डपिंग के प्रकरणों से संबंधी प्रश्नों का उत्तर वित्त एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी द्वारा संतोष पूर्वक नहीं दिए जाने पर विपक्ष सदन से नारेबाजी करते हुए दो बार वाकआउट कर दिया। विधानसभा में आज संजारी बालोद की कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा द्वारा 2023-24 और 2025-26 के बजट में सम्मिलित कितनी राशि की वित्तीय स्वीकृति दिए जाने पर ओपी चौधरी ने बताया कि हमारे सरकार में वित्तीय नियमों में संशोधन किया है। उन्होंने बताया कि 2012 में 3 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति कार्यों को बढ़ाकर 5 करोड़ किया गया है। संजारी बालोद में करोड़ों रूपए के कार्य स्वीकृति किए गए हैं।

आदिवासी जिलों में जमीन के आबंटन में तकनीकी समस्या, कई कार्य हो रहे प्रभावितः रामविचार नेताम

रायपुर। केन्द्र द्वारा आदिवासी उप योजना के तहत एवं केन्द्र द्वारा आबंटित राशि का उपयोग अनुसूचित क्षेत्र वाले जिलों में नहीं होने का मामला सदन में गूंजा। आदिम जाति मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि इस योजना हेतु कोण्डागांव जिले को 189 लाख रूपए का आबंटन प्राप्त हुआ है। एकलव्य स्कूल के लिए आदिवासी जिलों में जमीन को लेकर सबसे बड़ी समस्या है। इसलिए सभी सदस्य इसके लिए सहयोग करें। विधानसभा में आज भाजपा के नीलकंठ टेकाम एवं अन्य आदिवासी सदस्यों ने आरोप लगाया कि आदिवासी परियोजना मंडल का गठन नहीं किया गया है।

मोदी-शाह ने हमारे खिलाफ षड़यंत्र रचा- अरविंद केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में बरी होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया हैं. इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने हमारे खिलाफसाजिश रची. व आप को हरा नहीं पाए तो खत्म करने जुट गए. दोनों को देश से माफी मांगनी चाहिए. केजरीवाल ने कहा- आज मेरे दिल से बड़ा बोझ उतर गया है. आपने इतने केस बनाए. आपने हमारे पीछे ईडी, सीबीआई पुलिस छोड़ी. एक समय आप के टॉप 5 नेता जेल में थे, लेकिन आप कुछ

नहीं बिगाड़ सके. पूर्व सीएम ने कहा- अब तो केवल कत्ल कराकर ही केजरीवाल को कंट्रोल कर सकते हैं. बिना कत्ल कराए ये लोग केजरीवाल को संभाल नहीं सकते हैं. मोदी और शाह के षडयंत्र का खामियाजा दिल्ली के 3 करोड़ लोग भुगत रहे हैं.

सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में की अपील दायर

सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक अर्जेंट अपील दायर की है, जिसमें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी स्कैम केस में बरी करने के निचली अदालत के शुक्रवार के आदेश को चुनौती दी गई है। इससे यह संकेत मिलता है कि आप के जीत के जश्न के बावजूद कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

बलिदान दिवस पर चंद्रशेखर आजाद को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जीवन यह संदेश देता है कि अन्याय के खिलाफ अडिग रहने का संकल्प ही सच्चा पराक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, भारत माता के वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने मां भारती को गुलामी की बेड़ियों से आजाद कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

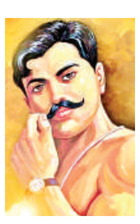

पद्मश्री डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन का निधन, चिकित्सा जगत में शोक की लहर

रायपुर (विश्व परिवार)। पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ, समाजसेवी तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के अध्यक्ष डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन का शुक्रवार को दीर्घकालिक अस्वस्थता के बाद निधन हो गया। उनके निधन से चिकित्सा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में शोक की लहर है। डॉ. जैन ने चिकित्सा सेवा और समाज कल्याण के क्षेत्र में पाँच दशकों से अधिक समय तक उल्लेखनीय योगदान दिया। चित्रकूट स्थित सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय, चित्रकूट के माध्यम से उन्होंने लाखों नेत्र रोगियों को नई दृष्टि प्रदान की और उनके जीवन में आशा का संचार किया। वर्ष 2025 में भारत सरकार ने उन्हें उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया था।

एम्स रायपुर के अध्यक्ष के रूप में उनका मार्गदर्शन संस्थान के लिए प्रेरणादायी रहा। उनके दूरदर्शी नेतृत्व, सादगी और मानवीय संवेदनशीलता ने संस्थान की कार्यसंस्कृति को सेवा-उन्मुख और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. जैन का निधन चिकित्सा जगत और समाज सेवा के क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सेवा, करुणा और मानवता के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनका मार्गदर्शन सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। डॉ. जैन के निधन से एम्स रायपुर परिवार गहरे शोक में है। संस्थान के फैकल्टी सदस्य, चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी इस दुखद समाचार से व्यथित हैं। एम्स परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

प्रधान महालेखाकार छत्तीसगढ़ की अध्यक्षता में नराकास की महत्वपूर्ण बैठक हुई संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्र सरकार के रायपुर स्थित कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन को नई दिशा देने के लिए प्रधान महालेखाकार, छत्तीसगढ़ की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), रायपुर (कार्यालय-02) की यह प्रथम अर्धवार्षिक बैठक महालेखाकार आवासीय परिसर स्थित सामुदायिक भवन में गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

उल्लेखनीय है कि रायपुर स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्व में गठित नराकास (कार्यालय-01) का पुनर्गठन किया गया है । इस नई व्यवस्था के तहत अब कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) को नराकास, रायपुर (कार्यालय-02) के अध्यक्ष कार्यालय के रूप में नवगठित किया गया है । वर्तमान में इस नवगठित समिति के अंतर्गत कुल 44 सदस्य कार्यालय सम्मिलित हैं, जिनमें से 38 कार्यालयों के प्रमुखों एवं उनके सहयोगी अधिकारियों ने इस बैठक में सक्रिय भागीदारी निभाई।

ईडब्ल्यूएस की जमीन पर बनेगा सामुदायिक शौचालय : महापौर शशि

रिसाली (विश्व परिवार)। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने वार्ड 29 लक्ष्मी नगर स्थित ईडब्ल्यूएस की जमीन को संरक्षित करते हुए सामुदायिक शौचालय की मांग की है। उन्होंने वार्ड के प्रभारी उपअभियंता को शीघ्र प्राकलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। महापौर ने नागरिकों से विकास संबंधी चर्चा भी की।

भ्रमण के दौरान नागरिकों की मांग रखी है कि वार्ड में सामुदायिक शौचालक के साथ अलग से यूरिनल बनाया जाए। इस मांग को शीघ्र पूरा करने का निवेदन भी किया। महापौर शशि सिन्हा ने इसे गंभीरता से लेते हुए ईडब्ल्यूएस की जमीन पर शौचालय बनाने प्रस्ताव कर शीघ्र शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नागरिकों ने कर्मा भवन के निकट सुलभ शौचालय निर्माण करने के भी निर्देश दिए है। भ्रमण के दौरान महापौर के साथ स्वास्थ्य विभाग प्रभारी संजू नेताम, जहीर अब्बास, व अनिल देशमुख उपस्थित थे।

सफाई व्यवस्था पर फोकस :- महापौर शशि सिन्हा निरीक्षण के दौरान वार्ड में सफाई व्यवस्था कार्य की समीक्षा की। उन्होंने एजेंसी को संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। महापौर का कहना था कि वार्ड सुपरवाईजर सफाई का लगातार मॉनिटरिंग करें। किसी भी सुरत में गंदगी न पसरे ऐसी व्यवस्था करने निर्देश दिए।

नागरिकों की मांग :- नागरिकों ने पेयजल समस्या को प्रमुखता से महापौर के समक्ष रखा। आमजनों का कहना था कि पिछले सात माह से पेयजल की समस्या बड़ गई है। महापौर ने स्थिति का जायजा लेने के बाद निर्देश दिए कि मोहन किराना के सामने बिछी पाइप लाइन को मुख्य पाइप लाइन में जोड़ा जाए और जल आपूर्ति की जाए। इसके अलावा नागरिकों ने शारदा विद्यालय गली स्थित शिव मंदिर में शीट लगाने और मोहन किराना के सामने टंकी निर्माण की मांग की है।

भिलाई निगम की राजस्व वृद्धि हेतु नई पहल, अब डोर-टू-डोर मैपिंग मशीन से होगी संपत्तिकर की सटीक गणना

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के राजस्व आय में वृद्धि करने और कर संग्रहण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज निगम सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता एवं अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई।निगम क्षेत्र के अंतर्गत बकाया संपत्तिकर की राशि को शीघ्र वसूल करने के लिए रणनीति तैयार की गई। राजस्व आय बढ़ाने के लिए अब पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नई तकनीकों का समावेश किया जाएगा। निगम द्वारा अधिकृत एजेंसी और निगम के कर्मचारी घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे।

?सर्वे के दौरान नई मैपिंग मशीन का उपयोग किया जाएगा। इस मशीन के माध्यम से किसी भी भवन या भूमि के वास्तविक क्षेत्रफल का सटीक आंकड़ा प्राप्त किया जा सकेगा।

?इस तकनीक की सहायता से भवन एवं भूमि स्वामियों द्वारा जमा किए गए 'स्व-विवरणी' फॉर्म की सत्यता की जांच की जाएगी।

निगम आयुक्त ने किया निर्माणाधीन कार्यों का औचक निरीक्षण, निर्माण कार्यों में लाएं तेजी

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माणाधीन नाली और उद्यानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं और शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए।

?आयुक्त ने जोन-5 के अंतर्गत एमजीएम स्कूल के समीप बन रही नाली का बारीकी से अवलोकन किया। स्थानीय नागरिकों की जल निकासी संबंधी समस्याओं को देखते हुए इस नाली का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने मौके पर उपस्थित अभियंताओं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए इसे जल्द से जल्द पूरा करें, ताकि गंदे पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके और क्षेत्रवासियों को राहत मिले।

निरीक्षण के अगले चरण में आयुक्त सड़क 21 स्थित उद्यान पहुंचे, जो विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों की सुविधा के लिए बनाया गया है। उद्यान में लगाए गए नए पेवर ब्लॉक के कार्यों का जायजा लेते हुए उन्होंने पूरे परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ?आयुक्त ने एक अन्य रिक्त मैदान का भी निरीक्षण किया, जहां बच्चों के लिए झूले और पेवर ब्लॉक की सुविधा उपलब्ध है। ग्रास कटिंग कर व्यवस्थित कराने को कहा, ताकि टहलने आने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा या खतरे का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान अमरनाथ दुबे जोन आयुक्त, ?प्रिया करसे कार्यपालन अभियंता, ?श्वेता महेश्वर सहायक अभियंता, ?शंकर सुमन मरकाम उप अभियंता, स्वस्छता निरीक्षक एवं निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

देश के व्यापार को मिलेगा वैश्विक मंच, भारतीय व्यापार महोत्सव में स्वदेशी से वैश्विक बाज़ार तक होगी गूँज

छत्तीसगढ़ से अमर पारवानी हुए बोर्ड बैठक में शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी ने बताया कि देश के व्यापारिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने जा रहे भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के आयोजन को लेकर इसकी बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक नई दिल्ली में संपन्न हुई। बैठक में महोत्सव की व्यापक रूपरेखा, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता तथा स्वदेशी उत्पादों और एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.सी. भरतिया जी, राष्ट्रीय महासचिव श्री प्रवीण खण्डेलवाल जी एवं राष्ट्रीय चेयरमेन श्री बृजमोहन अग्रवाल जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

यह भव्य महोत्सव ष्टश्ठद्बद्गस्रद्गह्म्ड्डह्लद्बश्ठ श्रद्ब ्नद्यद्य ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड ञ्जह्म्ड्डस्रद्गह्म्ह्य (ष्टढ्ढञ्ज) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जो माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न से प्रेरित है। बैठक में बताया गया कि यह आयोजन ÷स्ड्डस्रद्ग द्बठ्ठ ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड - स्ड्डस्रद्ग द्बश्ह्म् ढ्ठस्रद्बड्ड- स्ड्डस्रद्ग द्बश्ह्म् ह्लद्धद्ग ड्ढश्ह्म्द्यस्र÷ की भावना को साकार करने वाला देश का सबसे बड़ा व्यापारिक एक्सपो होगा।

बैठक में छत्तीसगढ़ से श्री अमर पारवानी, राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन, ष्टढ्ढञ्ज की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव देश के व्यापारियों, उद्योगपतियों, स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा तथा राज्यों के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

बोर्ड को अवगत कराया गया कि भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 का आयोजन 1 से 4 मई 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जाएगा, जिसमें 2000 से अधिक प्रदर्शक, लाखों व्यापारी, निवेशक, एनआरआई/ओसीआई प्रतिनिधि, राज्य सरकारें एवं केंद्रीय मंत्रालय सहभागिता करेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि

रेलवे कर्मचारी सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सामान्य सेवानिवृत हुए

रायपुर (विश्व परिवार)। इस समारोह में मंडल रेल प्रबंधक (श्री दयानंद), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (श्री राहुल गर्ग), सहायक कार्मिक अधिकारी (श्री महेंद्र कुमार शर्मा), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 12 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 02, इंजीनियरिंग विभाग से 07, परिचालन विभाग से 01 एवं विद्युत विभाग से 02 कर्मचारी शामिल है।मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मलेन कक्ष में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 3,28,42,820/- का भुगतान किया गया7 पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल दिनांक 27/02/2026 को प्रदान किया गया। मंडल रेल प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्यो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी।

सीएम ने अपने मंत्रीमंडल के साथ देखी फिल्म 'शतक'

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित जोरा मॉल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक' देखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय के साथ मंत्रिमंडल के सदस्य तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म के प्रदर्शन के बाद कहा कि 'शतक' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, जनसेवा और समर्पण की सतत साधना का सजीव चित्रण है।

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

// बिजली बंद की सूचना//

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि तिल्दा उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले 220/132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र कुथरेल में लाईन से संबंधित अतिआवश्यक कार्य किया जाना है जिसके कारण उपकेन्द्र से निकलने वाली समस्त 33 के. व्ही लाईन की विद्युत सप्लाई बंद होगी। अत: नीचे तालिका में दर्शित दिनॉक को **सुबह 10.00 से दोपहर 03.00 बजे तक** विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण फिड्र से निकलने वाले समस्त दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1.	28.02.2026	33 के.व्ही. सिलयारी फीडर	33/11 के.व्ही. उपकेंन्द्र सिलयारी एवं मंगसा से निकलने वाली 11 के.व्ही. फीडर की सप्लाई सिलयारी, मंगसा, पथरी, महुआगांव, खौना, जंजगीरा, कोदवा, खुडमुड़ी, तरेसर, कुथरेल, मनोहरा, रैता एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र तथा उच्चदाब उपभोक्तागण
2	28.02.2026	33 के.व्ही. कुथरेल-जोता फीडर	राग फेरो, वकांनी मेटल, हाईटेक पॉवर, एवं आसपास के उच्चदाब उपभोक्तागण
3	28.02.2026	33 के.व्ही. इंडियन आॅयल फीडर	400/220 के.व्ही. उपकेन्द्र रैता, एवं संभव स्टील एण्ड ट्युब्स, एवं आसपास के उच्चदाब उपभोक्तागण

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़
विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं0 1912 पर दर्ज कराएँ।
असुविधा के लिए खेद है
" विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध है कृपया इससे बचे"
स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"
SAMVAD -

(धनंजय कुमार वर्मा)
कर्मचारी संख्या-92315804
कार्यपालन यंत्री (संचा0/संधा0)
संभाग छ0स्टे0पॉ0 डि0कं0लि0
रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./29074/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29074
वार्ड का नाम-12 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330G0085A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MONIRUL ALI MALLICK** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O KOUSAR ALI MALLICK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. MOHAMMAD KADIR 2. HASIDA BANO S/O ABDUL BASARAT** पिता/पति श्री/श्रीमती **3. TOUKIR MOHAMAD S/O MOHAMAD ISTIYAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28976/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28976
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J01560** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **POONAM TELANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **V.K.TELANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GAURAV KUMAR JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOJ KUNAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28977/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28977
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446M0119B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANJU MIDDAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHOLA MIDDAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JHARNA PAUL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MADHABCHNADR PAUL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28978/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28978
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651L00248** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ABADHI BHUMI KABIJ - INDRAWATI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKHAU RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KOMAL PRASAD SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW.GUHARAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./28979/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28979
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446M00516** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **POOJA HEMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY HEMANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JITENDRA KUMAR MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMSUKHAD MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29022/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29022
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651J00928** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRAKASH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RADHESHYAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **REEMA BHOI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDAN KUMAR BHOI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /29102/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29102
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227G00019** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **IRSHAD AHMAD KHAN IQBAL AHMED MRS. NADIYA IRSHAD KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **IRSHAD AHMAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **काजी एम. ए. रियाज खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **काजी एम ए गफूर खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित **एम.आई. जी. - II/66** भवन योजना में से भवन क्रमांक **MIG-II/66 फेस - I, जी बालकृष्ण राव पिता - स्व. जी लक्ष्मण राव** को नामांतरित किया गया है। मूल नामांतरी द्वारा **दिनांक 23/2/24** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

मूल आबंटी/नामांतरी की मृत्यु दिनांक 18/1/26 को हो जाने के कारण **श्रीमती जी. वीणा राव पति श्री स्व. जी बालकृष्ण राव** द्वारा उक्त भवन/अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र (........) की सहमति पत्र, एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन **श्रीमती जी. वीणा राव पति स्व. बालकृष्ण राव** के नाम पर नामांतण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./29119/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29119
वार्ड का नाम-13-राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223D00081** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MD. AKRAM KHOKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MD. NOOR MOHAMMAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रूकसार बानो** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहम्मद आरिफ मेमन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./29073/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29073
वार्ड का नाम- 59 मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR651C00414** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ANIL THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAKHAN LAL THAKUR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1) MONI SINGH GAHLOT 2) PANKAJ SINGH GAHLOT** पिता/पति श्री/श्रीमती **1) W/O PANKAJ SINGH GAHLOT 2) S/O CHHABI SINGH GAHLOT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत सड्डू**, रायपुर में स्थित **एल.आई.जी. भवन क्रमांक-1365, श्री वासुदेव हरीरामानी पिता स्व.श्री डेटाराम हरीरामानी** के नाम से नामांतरित है, नामांतरी द्वारा उक्त भवन की सेलडीड/अनुबंध / विक्रय विलेख **दिनांक** 05/09/2012 पंजीकृत कराने के उपरांत भवन की पूर्ण राशि जमा कर नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में नामांतरी **श्री वासुदेव हरीरामानी पिता स्व.श्री डेटाराम हरीरामानी निवासी-जवाहर नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्रीमती कविता साहू पति श्री जन्तु राम साहू निवासी-एल.आई.जी.-1441, सेक्टर-08, हा. बोर्ड कॉलोनी, सड्डू, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (**NOC**) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /29086/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29086
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813B00474** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PARESH CHAWDA S/O R.L. CHAWDA , KAVITA CHAWDA W/O PARESH CHAWDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SHEKHAR LESHRAM DORLE S/O LESHRAM DORLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. LEENA SHEKHAR DORLE W/O SHEKHAR LESHRAM DORLE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28719/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28719
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802D01205** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJ KUMAR SINHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARI RAM SINHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ARVIND KUMAR JAISWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SANTOSH KUMAR JAISWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ..../ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /29098/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 27-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29098
वार्ड का नाम- 51 - लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 51 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446V00085** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RUKHMANI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GANESH DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सूरज कुमार थौरानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अनिल कुमार थौरानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनाम**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

चार जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें लागू

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में दिनांक 20 नवम्बर 2025 से नवीन गाइडलाइन दरें लागू की गई हैं। राज्य शासन द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों को निर्देश जारी किए गए थे कि स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार गाइडलाइन दरों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जा सकते हैं।उक्त निर्देशों के अनुरूप दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा तथा बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों पर विचार हेतु महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई।

मुख्यधारा में लौटे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार कर रही सतत प्रयासः सीएम विष्णुदेव साय

- 'गन' तंत्र छोड़कर गणतंत्र में आने वाले युवाओं का स्वागत : डिप्टी सीएम शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। माओवाद की विचारधारा त्यागकर संविधान की राह अपनाने वाले 120 पुनर्वासित युवाओं के दल ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचकर जनतांत्रिक प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। युवाओं ने सदन की कार्यवाही को करीब से देखा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझा। विधानसभा का यह शैक्षणिक भ्रमण उनके लिए प्रेरणादायी और मार्गदर्शक अनुभव साबित हुआ। विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी का 'जय जोहार' के साथ स्वागत करते हुए कहा कि पुनर्वास का निर्णय लेने वाले सभी साथियों का राज्य सरकार हृदय से अभिनंदन करती है। उन्होंने कहा कि सरकार पुनर्वासित युवाओं की सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सभी पुनर्वासित युवा समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से पुनर्वास नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिंसा का मार्ग छोड़कर आज संविधान के मंदिर में खड़े होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का साक्षी बनना इस बात का प्रमाण है कि बदलाव संभव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को शिक्षा, स्वरोजगार और शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जो युवा 'गन'तंत्र का रास्ता छोड़कर गणतंत्र की मुख्यधारा में लौटे हैं, उनका राज्य सरकार हृदय से स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि संविधान का मार्ग ही शांति, विकास और समृद्धि का मार्ग है। राज्य सरकार पुनर्वासित युवाओं के सम्मानजनक जीवन, रोजगार और कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये युवा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनेंगे और अन्य लोगों को भी मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री किरण देव तथा श्री सुशांत शुक्ला ने भी पुनर्वासित युवाओं से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि शासन उनके साथ दृढ़ता से खड़ा है। पुनर्वासित युवाओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को निकट से देखने का यह अवसर उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे अब संविधान और कानून के दायरे में रहकर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

डॉ. प्रीति अदाणी ने भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की अहम् भूमिका पर दिया जोर

नई दिल्ली। पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक चिंतन रिसर्च फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित सशक्त नारी, विकसित भारत सम्मेलन में डॉ. प्रीति अदाणी, चेयरपर्सन, अदाणी फाउंडेशन ने कहा कि विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत की विकास यात्रा की मुख्य आधार महिलाएँ ही हैं और उन्हें इस बदलाव की असली निर्माता के रूप में पहचाना जाना चाहिए। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी का स्वागत करते हुए डॉ. अदाणी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को मिल रहे नीति समर्थन की सराहना की, साथ ही कहा कि अब केवल इरादों से आगे बढ़कर महिलाओं की लगातार आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने जमीनी अनुभव साझा करते हुए कहा कि सशक्तिकरण की शुरुआत पहुँच से होती है। ग्रामीण इलाकों में, जहाँ औपचारिक शिक्षा सीमित है, वहाँ फाउंडेशन की मदद से महिला किसानों को आसान कृषि मोबाइल ऐप्स से जोड़ा गया है। ये ऐप्स सिंचाई, खाद के इस्तेमाल, बीज चयन और मंडी कीमतों की जानकारी देते हैं।

सही जानकारी मिलने से उत्पादन बढ़ा है, आय मजबूत हुई है और महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। डेयरी सेक्टर में सामूहिक प्रयासों ने कमाई के नए रास्ते खोले हैं। फाउंडेशन की मदद से चल रहे स्वयं सहायता समूह आधारित दुग्ध संग्रह केंद्रों से 3,500 से ज्यादा महिलाएँ जुड़ी हैं, जो हर साल 75 लाख लीटर से अधिक दूध का प्रबंधन करती हैं। पारदर्शी कीमत, गुणवत्ता जाँच और संगठित खरीद प्रक्रिया से उनकी आय में स्थिरता और मोलभाव की ताकत बढ़ी है।डॉ. अदाणी ने फाउंडेशन की प्रमुख मातृ एवं महिला स्वास्थ्य पहल सुपोषण% का भी जिक्र किया, जिसके तहत प्रशिक्षित स्थानीय महिला स्वयंसेविकाओं ने प्रजनन आयु वर्ग की 3.25 लाख से अधिक महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार में मदद की है।

डिप्टी सीएम शर्मा ने देश के तीसरे सबसे बड़े गो-कार्टिंग ट्रैक का किया भव्य उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर अब केवल अपने व्यापार के लिए ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए भी पहचानी जाएगी। प्रदेश के प्रमुख मनोरंजन केंद्र, अम्यूज़ोरामा वाटरपार्क एवं अम्यूज़मेंट पार्क में 26 फरवरी को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ा, जब छत्तीसगढ़ के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने पार्क के अत्याधुनिक गो-कार्टिंग ट्रैक का आधिकारिक उद्घाटन किया।

अम्यूज़ोरामा का यह नया गो-कार्टिंग ट्रैक अपनी 700 मीटर की विशाल लैप के साथ पूरे भारत के शीर्ष तीन सबसे रोमांचक ट्रैक्स में शामिल हो गया है। उद्घाटन के अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने रिबन काटकर ट्रैक की शुरुआत की और एडवेंचर के इस नए मानक की सराहना की। उद्घाटन के पश्चात उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने पूरे अम्यूज़ोरामा वाटरपार्क और अम्यूज़मेंट पार्क का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने यहाँ की हाई-टेक वॉटर स्लाइड्स, विशाल वेव पूल और बच्चों के लिए बनाए गए विशेष प्ले-ज़ोन का अवलोकन किया।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन और मनोरंजन के क्षेत्र में अम्यूज़ोरामा का यह प्रयास सराहनीय है। यहाँ का 700 मीटर लंबा गो-कार्टिंग ट्रैक न केवल युवाओं के लिए रोमांच का केंद्र बनेगा, बल्कि यह राज्य में खेल पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। पार्क में स्वच्छता, सुरक्षा और पारिवारिक माहौल को जिस तरह प्राथमिकता दी गई है, वह प्रशंसनीय है।

महापौर ने आयुक्त के साथ नंदई व गोकुल नगर का किया निरीक्षण

- गोबर गैस प्लांट चालू करने निगम एवं क्रेडा विभाग के अधिकारियो से की चर्चा
- गोकुल नगर वासियों से गोबर निर्धारित स्थल में डालने तथा साफ सफाई रखने

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। साफ सफाई में गुणात्मक सुधार लाने तथा स्वच्छता से नागरिको को जोडने महापौर श्री मधुसूदन यादव तथा निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा सुबह सफाई व्यवस्था देखने वार्डो में निरीक्षण कर रहे है। साथ ही लोगो से रूबरू हो उनकी समस्या से अवगत हो साफ सफाई मे सुधार के निर्देश स्वास्थ्य अमला को दे रहे है। महापौर श्री यादव आज आयुक्त श्री विश्वकर्मा एवं पार्षद श्री दुरेन्द्र साहू, श्री सतीश साहू, श्री अरूण साहू, पूर्व पार्षद श्री विजय राय तथा समाजिक कार्यकर्ता श्री चिंटु सोनकर व श्री जीवन चतुर्वेदी के साथ गोकुल नगर का निरीक्षण कर गोकुल नगर वासियो से रूबरू हो उनकी समस्या से अवगत होकर व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारियो को निर्देशित किए। नंदई में होटल एवं ठेला वालो को साफ सफाई रख डस्टबिन का उपयोग करने समझाईस दिए। गोकुल नगर वासियो ने महापौर श्री यादव से पानी के साथ साथ गोबर व साफ सफाई सहित अन्य समस्या से अवगत कराए। महापौर श्री यादव ने पानी की समस्या पर बंद बोरिंग को मरम्मत कर पंप लगाने तकनीकि अधिकारियो से कहा, वही साफ सफाई के लिए स्वास्थ्य अमला को निर्देशित किए। साथ ही गोबर गैस प्लांट को चालू करने निगम व उर्जा विभाग के अधिकारियो से चर्चा कर कहा कि प्लांट को चालू करने कार्यवाही करे, प्लांट चालू होने से गोकुल नगर वासियों को गोबर गैस की सुविधा मिल जायेगी। उन्होंने गोकुल नगर वासियो से कहा कि अगले माह स्वच्छता सर्वेक्षण होना है, उसमें आप सबकी भागीदारी आवश्यक है। आप सब गोकुल नगर को साफ सुथरा रखने सहयोग करे एवं गोबर को एक निर्धारित स्थल में डाले। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने भी कहा कि गोकुल नगर में साफ सफाई पानी के अलावा अन्य समस्या का महापौर जी के निर्देशानुसार प्राथमिकता तय कर हल किया जावेगा।

अर्जुन के परिवार को बीएमओ ने भेंट किया नेत्रदान प्रमाण पत्र

आरंग (विश्व परिवार)। गत दिवस ग्राम भिलाई निवासी 80 वर्षीय स्व.अर्जुन लाल साहू के परिवार जनों द्वारा नेत्रदान कराया गया।

जो अभी भी क्षेत्र व जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। सप्ताह भर पहले ही रायपुर में आयोजित मासिक बैठक में मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने सफलता पूर्वक नेत्रदान के लिए नेत्र सहायक अधिकारियों की टीम को बधाई दिए थे। वहीं शुक्रवार को आरंग बीएमओ डॉ. विजय लक्ष्मी अनंत, नेत्र सहायक अधिकारी श्रीमती अन्नपूर्णा वर्मा, सालिक नवरंगे, बीईई महेश चंद्राकर,एमएलटी अरविंद चंद्राकर, वाहन चालक नीरेन्द्र साहू ने ग्राम भिलाई पहुंचकर स्व.अर्जुन के परिवारजनों को नेत्रदान का प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया।

सीएम साय ने किया 'गुलाल' होली विशेषांक का विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में 'गुलाल' होली विशेषांक का विमोचन किया। वरिष्ठ पत्रकार श्री जगजीत सिंह द्वारा प्रकाशित इस विशेषांक में होली पर्व के सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक पक्षों को समाहित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और भारतीय परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति का पर्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकाशन हमारी लोकसंस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साफ सफाई एवं आवागमन में बाधित अतिक्रमण निगम की टीम ने हटाई

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। शहर के विभिन्न स्थानों में कुछ व्यवसायियो व नागरिको द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने तथा अतिक्रमण कर ठेला खोमचा व पसरा लगाने एवं मलमा रखने वालों को समझाईस देने व हटाने निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा द्वारा गठित दस्ता निरीक्षण कर एवं शिकायत के आधार पर समझाईस देकर हटाने की कार्यवाही कर रही है। कार्यवाही के तहत आज अतिक्रमण दस्ता पुराना बस स्टैण्ड चौक, भगत सिंह चौक एवं ठा.प्यारेलाल सिंह चौक से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही किए।

यातायात बाधित होने से दुर्घटना की संभावना तथा साफ सफाई में अवरोध को ध्यान में रखकर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने निगम के भवन अधिकारी एवं अतिक्रमण दस्ता को अनाधिकृत निर्माण तथा पसरा हटाने एवं ठेला खोमचा वालों को व्यवस्थित लगाने समझाईस देने के निर्देश दिये। निर्देश के अनुक्रम में अतिक्रमण दस्ता शहर के विभिन्न स्थानों में निरीक्षण कर एवं शिकायत के आधार पर अतिक्रमण स्थल मे जाकर हटाने समझाईस देने के साथ साथ नही हटाने पर कार्यवाही कर रही है। आज की कार्यवाही में पुराना बस स्टैण्ड चौक, फलाई ओव्हर के अंदर सर्विस रोड में ठेला रखने पर आवागमन बाधित होने के आधार पर 3 ठेला हटाए। इसी प्रकार भगत सिंह चौक में नाली के उपर किये अतिक्रमण तोडा गया तथा ठा.प्यारेलाल चौक तिराहा के रोड में लगे फल दुकान को हटाया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

रेल मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर सेमिनार का हुआ आयोजन

रायपुर(विश्व परिवार)। दिनांक 26 फरवरी 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के साथ कर्मचारी ट्रेनिंग स्कूल/परिचालन/बीएमवाई में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

आटोमेटिक सिगनलिंग फेलुअर एवं आई बी सिगनलिंग के दौरान चालक के द्वारा ट्रेन का परिचालन एवं बरती जानेवाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां तथा गाड़ियों का सेक्योरिंग एवं क्लियरिंग, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा गर्मी से पहले किये जानेवाले कार्य, ट्रेन में आगजनी के दौरान लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर का कर्तव्य, प्राथमिक उपचार पेटी का उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग का प्रदर्शन।

मोहम्मद शेख आसिफ को पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन आयोग सदस्य बने

रायपुर (विश्व परिवार)। सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष, ईएफसीसीसी नियम, 2025 की धारा 22(क) के तहत प्रदत्त वैधानिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री मोहम्मद शेख आसिफ को आयोग के छत्तीसगढ़ राज्य सदस्य के पद पर नियुक्त किया गया है। मोहम्मद

शेख आसिफ की नियुक्ति 26/02/2026 से 25/02/2029 तक के लिए स्वीकृत की गई है। आदेश संख्या ईएफसीसीसी /एपीटी. /2026/ 118 के अनुसार, यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। आयोग द्वारा जारी प्रतिवेदन में अंकित किया गया है कि हमें विश्वास है कि आप अपनी जिम्मेदारियों को लगन से निभाएंगे और समाज के उत्थान एवं सतत विकास में योगदान देंगे। आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप आयोग के संविधान का पालन करें, अनुशासन बनाए रखें।

मोक्ष कर्म भवन का लोकार्पण संपन्न

रायपुर(विश्व परिवार)। श्री महावीर गौशाला परिसर में स्थित मोक्ष कर्म भवन, का जीर्णोद्धार श्री राजकमल सिंघानिया (पूर्व विधायक, कसडोल) द्वारा अपने छोटे भाई स्वर्गीय श्री ललितकुमार जीवनलाल सिंघानिया की पावन स्मृति में कराया गया। आज दिनांक 27 फरवरी 2026 को स्व. ललित कुमार सिंघानिया के जन्मोत्सव के अवसर पर उक्त भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। लोकार्पण पश्चात अपने उद्बोधन में श्री सिंघानिया ने कहा कि उनके छोटे भाई स्व. ललित कुमार सिंघानिया ने श्री महावीर गौशाला में विभिन्न पदों पर रहकर तन, मन और धन से समर्पित भाव से सेवा कार्य किए। गौशाला के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण सदैव प्रेरणादायी रहेंगे। उन्होंने बताया कि मोक्ष कर्म भवन का निर्माण दिवंगत आत्माओं को सम्मानपूर्ण विदाई देने तथा उनके परिजनों को शांतिपूर्ण एवं गरिमामय

वातावरण उपलब्ध कराने के पावन उद्देश्य से कराया गया है। श्री सिंघानिया ने यह भी कहा कि श्री महावीर गौशाला परिसर में भविष्य में जिस किसी भी आवश्यकता की पूर्ति हेतु सहयोग अपेक्षित होगा, वे सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने गौशाला के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अपने परिवार के समान बताया। उक्त कार्यक्रम के पश्चात श्री गौशाला परिवार के द्वारा श्री राजकमल सिंघानिया को कामधेनु प्रतिक चिन्ह एवं साल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री महावीर गौशाला के अध्यक्ष सियाराम अग्रवाल, सचिव सत्यनारायण सिंघानिया, चतुर्भुज अग्रवाल, नरेश सिंघानिया, अरुण सिंघानिया, श्रीमती लक्ष्मी देवी सिंघनिया, श्रीमती मंजूदेवी सिंघानिया, वेदप्रकाश गोयल, कन्हैया अग्रवाल, राजेन्द्र पारख, गोकूल दास डागा, अनुप खासगीवाल, आनंद सिंघानिया, राजकुमार राठी, नागेन्द्र पाण्डेय, रमेश झाबक, संतोष टेकरीवाल, नवरतन माहेश्वरी, उमेश मल्लेवार, मनीष राज सिंघानिया, विपिन अग्रवाल, डॉ. राजेन्द्र सिंघानिया, गोपालकृष्ण भीमसरिया, हरीश जग्गी, राजेश राठी, मनोज राठी, विनय नथवानी, गंगा प्रसाद शर्मा, अतुल रघुवंशी, ऋषिराज सिंघानिया सहित समस्त परिवारजन एवं श्री महावीर गौशाला के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

दुर्ग - रायगढ़ - दुर्ग के मध्य होली मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए दिनांक 02, 03, 05 एवं 06 फरवरी 2026 को गाड़ी संख्या 08834/08833 दुर्ग – रायगढ़ – दुर्ग के मध्य 04 फेरे के लिए होली मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही हैं । गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग रायगढ़ मेमू पैसेंजर गाड़ी दुर्ग से 10.30 बजे रवाना होकर 10.36 बजे भिलाई नगर 10.43 बजे भिलाई पावर हाउस 10.50 बजे भिलाई 10.56 बजे देवबलोदा चरोदा, 11.09बजे कुम्हारी, 11.17 बजे सरोना 11.24 बजे सरस्वती नगर, 11.35 बजे रायपुर 11.45 बजे डब्ल्यूआरएस, 11.52 बजे उरकुरा, 12.00 मांडर,12.11 बजे सिलियारी, 12.21 बजे बैकुंठ 12.28 बजे तिल्दा नेवरा, 12.39 बजे हथबंद, 12.52 बजे भाटापारा, 13.05 बजे निपानिया, 13.15 बजे दागोरी, 13.23 बजे बिल्हा, 14.31 बजे चक्करभाटा 14.37 बजे दाधापारा,15.10 बजे बिलासपुर, 15.28 बजे गतौरा, 15.40 बजे जयरामनगर, 15.53 बजे अकलतरा, 16.10 बजे जांजगीर नैला, 16.30 बजे चांपा, 16.50 सारागांव देवरी, 17.03 बजे बुढार।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

संपादकीय

भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरुरत

बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है। शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की भारत की विदेश नीति पिछले कुछ दशकों में पूरी तरह से विफल हो गई थी। लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव आ गया था। अब भारत ने नए सिरे से संबंध सुधार के प्रयास शुरू किए हैं। बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हुए। वे अपने साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिट्ठी लेकर गए थे। प्रधानमंत्री ने उनको भारत आने का न्योता दिया है। यह सिर्फ औपचारिक शिष्टाचार नहीं है, बल्कि यह एक सुविचारित कूटनीतिक पहल भी है। यह पहल दोपक्षीय संबंधों की निरंतरता और उच्च स्तरीय राजनीतिक विश्वास को दिखाता है। दूसरी ओर इसी यात्रा में भारत के विदेश सचिव का बांग्लादेश के प्रमुख विपक्षी नेता और जमात ए इस्लामी के प्रमुख शफीकुर्रहमान से मिलना इस बात का संकेत है कि भारत अपनी नीति को बहुस्तरीय और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ा रहा है। भारत की एक बहुत अच्छी कूटनीतिक पहल यह रही कि किसी केंद्रीय मंत्री को भेजने की बजाय लोकसभा के स्पीकर को शपथ समारोह में भेज गया। यह दो देशों के संबंधों की भावना को रेखांकित करता है। स्पीकर का पद दलीय राजनीति से ऊपर माना जाता है, इसलिए यह संदेश गया कि भारत की प्रतिबद्धता सिर्फ किसी एक दल या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्थागत संबंधों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री का पत्र और भारत आने का निमंत्रण इस बात का संकेत है कि नई सरकार के साथ संवाद को जल्दी से जल्दी और सकारात्मक दिशा में ले जाने की भारत की मंशा है। दूसरी रणनीतिक पहल विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बांग्लादेश के विपक्षी नेता से मुलाकात है। शफीकुर्रहमान, बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात ए इस्लामी के प्रमुख हैं। जमात को पहली बार बांग्लादेश की तीन सौ सदस्यों की संसद में करीब 70 सदस्यों का प्रतिनिधित्व मिला है। यह एक तरह से उसकी राजनीतिक वैधता है। उनसे मुलाकात कर भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह केवल सत्तारूढ़ दल पर निर्भर रहकर अपनी विदेश नीति नहीं गढ़ता, बल्कि संभावित सत्ता परिवर्तन की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखता है। हालांकि बांग्लादेश में तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को जबरदस्त जनादेश मिला है।

एक नयी शहरी रुपरेखा:शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप......

श्री श्रीनिवास कटिकिथला

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा। हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नज़रिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढ़ांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

अनुदान से बाजार अनुशासन की ओर

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है। यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के ज़रिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओं के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।

शहरी केंद्र की पुनर्कल्पना

यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं। पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है। दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट – का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है। तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुनः उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।

छोटे शहरों को वित्तीय मुख्यधारा में लाना

शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है। प्रारंभिक उधार को जोखिममुक्त करके,यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा करके, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।

सुधार ही आधार

यूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मज़बूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं। वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के संवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो। शहरी चुनौती कोष शहरी विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करता है। बाजार वित्तपोषण को अनिवार्य बनाकर और संरचित जोखिम-साझाकरण व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करके, यह डिजाइन, वित्तपोषण और संचालन में निजी भागीदारी को और अधिक व्यापक बनाता है। परियोजना तैयारी सहायता, लेनदेन सलाहकार सहायता और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का मकसद परियोजना की व्यवहार्यता और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना है। अगर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह भारत के नगरपालिका बांड बाजार को और बड़ा कर सकता है और शहरी अवसंरचना के लिए वित्तपोषण आधार को व्यापक बना सकता है।

सहयोगात्मक कार्यान्वयन मॉडल

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस निधि को एक व्यापक हितधारक व्यवस्था के तहत रखा है। राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों, वित्तीय संस्थानों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और निजी विकासकर्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे एक प्रतिस्पर्धी, चुनौती-आधारित प्रक्रिया के ज़रिए इसमें शामिल हों, जो तत्परता और नवाचार को पुरस्कृत करती है। राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमता निर्माण के प्रावधान इस ढांचे में अंतर्निहित हैं, यह मानते हुए कि वित्तीय मदद तक पहुंच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षता भी ज़रुरी है। डिजिटल निगरानी प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने और परिणाम-आधारित शासन को मज़बूत करने की अपेक्षा की जाती है।

भविष्य के लिए तैयार शहरों की राह

आगामी दशकों में भारत की शहरी आबादी में खासी वृद्धि होने वाली है और इसके साथ ही बुनियादी ढांचे की मांग भी बढ़ेगी। शहरी चुनौती कोष इसी दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता और राजकोषीय स्थिरता को एक ही ढांचे में एकीकृत करने का प्रयास करता है। आखिरकार क्या यह कोष भारत के शहरी विकास की दिशा बदल पाएगा, यह इसके क्रियान्वयन पर ही निर्भर करेगा। लेकिन इसका मकसद साफहै। शहरी चुनौती कोष शहरीकरण को एक वित्तीय बोझ के रूप में नहीं, बल्कि एक निवेश के अवसर के रूप में देखता है, जिसका लाभ उठाया जा सकता है। बाजार अनुशासन, सुधार प्रोत्साहन और मापने योग्य परिणामों को अपने डिजाइन में शामिल करके, यह भारत के शहरी परिवर्तन के अगले चरण को गति प्रदान करना चाहता है, एक ऐसा चरण जिसमें शहर सशक्त, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार विकास केंद्रों में विकसित हों।

(लेखक आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव हैं)

आलेख

पाणिनि से एआई स्टैक तक: दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

हरदीप एस पुरी

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक है: बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैं और दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी। पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयी: 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय-आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा है: डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है: नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं। अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास-उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता है: लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेज़ी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता है: एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है। पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा है और यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन-देन से भी अधिक है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा

अजीत द्विवेदी

चौतरफा अविश्वास बढ़ रहा है। नियम आधारित पुरानी विश्व व्यवस्था बिखर गई है। दुनिया के किसी भी देश को दूसरे देश पर या देशों के किसी भी समूह को दूसरे समूह पर भरोसा नहीं रह गया है। जब अमेरिका और यूरोप के बीच अविश्वास बढ़ गया तो बाकी देशों के बारे में क्या कहा जाए! इसी तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश और उसके बाजार में आए उछाल से चलती दिख रही है। इसने सॉफ्टवेयर और आईटी आधारित सेवाओं के उद्योग को लगभग ध्वस्त कर दिया है। जब से एआई कंपनी एंथ्रोपिक की ओर से कहा गया कि उसके ऑटोमेटेड ऑफिस सूट से सॉफ्टवेयर और दूसरे ऑपरेटिंग सिस्टम्स की जरुरत ही खत्म हो जाएगी तब से आईटी कंपनियों की हालत खराब है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने भी कहा है कि अगले डेढ़ से दो साल में सारे व्हाइट कॉलर जॉब्स एआई के जरिए ऑटोमेटेड हो जाएंगे। हालांकि इसके बावजूद चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी और दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया के निवेशक अपने पैसे निकाल रहे हैं। सॉफ्टबैंक से लेकर पीटर थील तक ने पैसे निकाले हैं तो यह भी खबर है कि कंपनी के सीईओ से लेकर दूसरे अहम लोग भी अपने शेयर बेच रहे हैं। यह अविश्वास पूरी अर्थव्यवस्था को अपने चपेट में ले सकता है। वैश्विक भू राजनीतिक और आर्थिक अविश्वास के माहौल में सबसे चिंता की स्थिति भारत में दिख रही है, जहां राजनीतिक और सामाजिक विभाजन दिन प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ कहने की जरुरत नहीं है। यह उपभोग आधारित है तो डेढ़ सौ करोड़ लोगों की अर्थव्यवस्था चलती ही रहेगी और जिस रफ्तार से बढ़ रही है उस रफ्तार से बढ़ती रहेगी। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक विभाजन, अविश्वास देश के सामने बड़ा खतरा बन कर आया है। देश की राजनीति में कभी भी ऐसी स्थिति नहीं रही थी कि सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों के बीच एक दूसरे के प्रति नफरत का भाव हो। अब पार्टियों के बीच निजी दुश्मनी हो गई है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में पार्टियों के नेता एक दूसरे से दुआ सलाम करने से घबरा रहे हैं कि कहीं उनके शीर्ष नेता ने देख लिया या पता चल गया तो उसके नंबर कट जाएंगे। अगर पहले सामाजिक विभाजन की बात करें तो इतने गहरे विभाजन की शुरुआत 80 बनाम 20 की राजनीति से हुई थी और यूजीसी के नियमों से अंतिम मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की बात कही लेकिन उनकी पार्टी की नीतियों और नेताओं के बयानों से यह संदेश गया कि भाजपा को 20 फीसदी अल्पसंख्यकों, जिनमें मुस्लिम, सिख और ईसाई तीनों शामिल हैं उनके वोट नहीं चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो खुल कर 80 और 20 की बात कही। उन्होंने बंटोंगे तो कटोगे का नारा दिया। प्रधानमंत्री ने भले ऐसा कोई नारा नहीं दिया लेकिन जब भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया और एक भी मुस्लिम को मंत्री नहीं बनाया गया तो बिना कहे यह सिद्धांत स्थापित हुआ। मुसलमानों को अलग थलग करने की जो राजनीति शुरू हुई थी उसमें राज्यवार दूसरी चीजें जुड़ती गईं। बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम के साथ साथ यादव को अलग थलग किया गया। हरियाणा में जाट को, महाराष्ट्र में मराठों को, झारखंड में आदिवासियों को अलग थलग किया गया। कहीं गैर यादव पिछड़ी व अन्य जातियों का समीकरण बनाया गया तो कहीं गैर मराठा तो कहीं गैर आदिवासी का समीकरण बनाया गया। अब इस विभाजनकारी राजनीति का अगला मुकाम सामान्य जातियों को अलग थलग करने का है। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के लिए यूजीसी की ओर से जो नियम लाए गए हैं, जिनको भेदभावकारी बता कर सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया है, वो इसी प्रयोग का हिस्सा हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता और उसकी सरकार के मंत्री अब खुल कर कह रहे हैं कि वे देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं। सरकार की पूरी स्कीम ऑफ थिंग्स में से सामान्य जातियों को बाहर कर दिया गया है। इससे सामाजिक स्तर पर इतना अविश्वास बढ़ा है कि जाति पूछ कर यूनिवर्सिटी कैम्पस में छात्रों पर हमले हो रहे हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैम्पस में एक ब्राह्मण पत्रकार की जाति पूछ कर उसके ऊपर हमला किया गया। विपक्ष खास कर राहुल गांधी की बहुजन राजनीति से घबरा कर भाजपा ने यह प्रयोग किया। उसको लग रहा है कि सामान्य जातियां उसको बाई डिफॉल्ट वोट देंगी। लेकिन अब यह वोट का मामला नहीं रह गया है। जहां तक गहरे राजनीतिक विभाजन की बात है तो इसकी शुरुआत 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे से हुई थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने यह नारा दिया था। उसके बाद से भाजपा, उसकी सरकार, उसका पूरा इकोसिस्टम और मीडिया व सोशल मीडिया का पूरा तंत्र इस काम में लग गया कि किस तरह से कांग्रेस शासन की पूरी विरासत को मिटाया जाए, कैसे उसके नेताओं की साख खराब की जाए, कैसे उसे कमजोर किया जाए और कैसे उसे चुनाव हराया जाए। इसके बाद भाजपा ने यह प्रचार शुरू किया कि सिर्फ वही एक अच्छी पार्टी है बाकी पार्टियां भ्रष्ट, परिवारवादी और राष्ट्रविरोधी हैं। चुनाव के समय पहले भी पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ आरोप लगाती थीं। लेकिन भाजपा ने इसे रोजमर्रा का काम बना दिया। 24 घंटे और 365 दिन भाजपा की मशीनरी इस काम में लग गई।

एआई का लोकतांत्रिकी करण करना होगा

डा. अश्विनी महाजन

रोजगार एआई का एक बड़ा शिकार है, और सभी क्षेत्रों में नौकरियों का सफाया एक सच्चाई बन चुकी है। मीडिया, मनोरंजन, कॉल सेंटर और यहां तक कि सॉफ्टवेयर क्षेत्र भी एआई का असर झेलने लगा है। बड़ी फैक्ट्रियां एआई समर्थित कंप्यूटर प्रोग्रामों की मदद से सामान बनाती हैं, जिससे भारी बेरोजगारी हो रही है हाल ही दिल्ली में एआई इम्पैक्ट सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूरी दुनिया एआई के असर से हिल गई है। इस मुद्दे पर बहुत मंथन हो रहा है, क्योंकि एक तरफ एआई जिंदगी को आसान बना रहा है, फैसले लेने की रफ्तार तेज कर रहा है, बिजनेस विश्लेषण को ज्यादा सटीक बना रहा है, मेडिकल डायग्नोसिस को बेहतर और किफायती बना रहा है, ज्यादा डिजिटल उत्पाद बनाना मुमकिन बना रहा है, एक नई इकॉनमी को बढ़ावा दे रहा है, जिसे आम तौर पर 'ऑरेंज इकॉनमी' कहा जाता है, वहीं हमारी आबादी पर भारी बेरोजगारी का खतरा मंडरा रहा है, जो पहले से ही हमारे युवाओं के लिए रोजगार के मौकों की कमी से जूझ रही है। जबकि, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले औद्योगिक क्रांति जैसे प्रौद्योगिकीय बदलाव को नजरअंदाज नहीं कर सकता, लेकिन एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर कुछ बड़ी कंपनियों के पास होने के साथ, डेटा, जो इन एआई बड़ी कंपनियों को मजबूत बना रहा है, वह सब हमारे जैसे विकासशील देशों से मिल रहा है। ऐसे में हम डिजिटल उपनिवेशीकरण के मूक दर्शक बने नहीं रह सकते। हालांकि एआई टूल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का नियंत्रण बना हुआ है, भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के निर्माण और बड़े पैमाने पर पहचान-प्रमाणीकरण में एआई/डेटा तकनीकों के उपयोग में विश्व स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाई है। जैम ट्रिनिटी, यानी जन धन बैंक अकाउंट, आधार और मोबाइल बैंकिंग की मदद से, सरकार कल्याणकारी योजनाओं, जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), गरीबों के लिए घर और कई दूसरी योजनाओं को बनाने और लागू करने में मदद कर रही है, और भ्रष्टाचार को लगभग खत्म करने और सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने में सफल रही है। हमें नए कानून भी मिले हैं, जैसे विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण), विकसित भारत- जी राम जी एक्ट 2025, जो एआई इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सरकारी

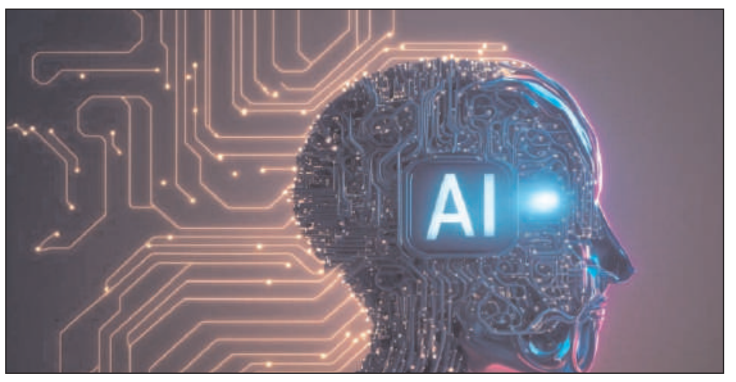

योजना में भ्रष्टाचार कम करने में मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में एआई एक्सरे, स्कैन और रिपोर्ट के विश्लेषण में तेजी से मदद कर रहा है। जानलेवा बीमारियों का जल्दी पता लगाना और उनका अनुमान लगाना भी एआई की वजह से मुमकिन हुआ है। हम एआई समर्थित ऐप्स का इस्तेमाल करके अपनी रोजाना की शारीरिक गतिविधि को चला सकते हैं, जिसमें चलना, रक्तचाप और डायबिटीज की निगरानी वगैरह शामिल हैं। बेरोजगारी और असमानता : रोजगार एआई का एक बड़ा शिकार है, और सभी क्षेत्रों में नौकरियों का सफाया एक सच्चाई बन चुकी है। मीडिया, मनोरंजन, कॉल सेंटर और यहां तक कि सॉफ्टवेयर क्षेत्र भी एआई का असर झेलने लगा है। बड़ी फैक्ट्रियां एआई समर्थित कंप्यूटर प्रोग्रामों की मदद से सामान बनाती हैं, जिससे भारी बेरोजगारी हो रही है। एआई ने लोगों या बिजनेस का काम करने वाले निजी सहायक की भी जगह लेना शुरू कर दिया है। इससे समाज में यह डर पैदा हो रहा है कि भविष्य में और भी बड़ी नौकरियां जा सकती हैं। भारत सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में बताया गया है कि भारत के आकार और प्रति व्यक्ति आय उसके मुकाबले कम होने की वजह से, भारतीय श्रम बाजार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का असर ज्यादा होगा। इसमें चेतावनी दी गई है कि कंपनियों द्वारा एआई को बिना सोचे-समझे अपनाने से सभी की हालत खराब हो जाएगी और देश की ग्रोथ क्षमता को नुकसान होगा। सर्वेक्षण में कहा गया है, 'सरकार को श्रम के उपयोग को टेक्नोलॉजी से बदलने से होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगाना होगा।' साथ ही, आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार, निजी क्षेत्र और अकादमिक जगत के बीच और ज्यादा सक्रिय सहयोग की बात कही गई है, ताकि एआई से उत्पादकता बढ़े और ज्यादा से ज्यादा फैले। इसलिए, नई टेक्नोलॉजी को बिना सोचे-समझे नहीं अपनाना चाहिए। और ऐसी टेक्नोलॉजी के प्रति समझदारी भरा नजरिया अपनाना आज की जरूरत है। इस स्थिति में एआई का इस्तेमाल सबसे जिम्मेदार तरीके से करने और एआई के लिए सही विनियमन करने की जरूरत है। चूंकि स्वामित्व की दृष्टि से एआई पर अमरीका और चीन का दबदबा है, इसलिए ज्यादातर उपयोगकर्ता तो भारत समेत विकासशील देश हैं, साथ ही वे इन एआई प्लेटफॉर्म द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे डेटा का स्रोत भी हैं। हमारे जैसे देश, विदेशी मालिकाना हक वाले एआई प्लेटफॉर्म पर निर्भर बने हुए हैं। इस प्रक्रिया में विकासशील देश डेटा संप्रभुता भी खो रहे हैं। इन टेक दिग्गजों के मालिकाना हक वाले एआई के दबदबे की वजह से छोटे खिलाड़ी, जिनमें छोटे और कुटीर उद्योग, सेवा एंटरप्राइज और कर्मी शामिल हैं, नुकसान में हैं।

नंदीश्वर जिनालय में श्रीफल अर्पित कर श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान की अर्चना

- व्रत संयम के साथ श्रद्धालु कर र रहे जाप अनुष्ठान

भोपाल(विश्व परिवार)। राजधानी के मंदिरों में भगवान सिद्ध की आराधना में लीन हे श्रद्धालु, नंदीश्वर जिनालय में विराजमान भगवान जिनेंद्र की प्रतिमाओं का अभिषेक हुआ, भक्ति के साथ जाप अनुष्ठान हुए, श्रद्धालु व्रत संयम के साथ भौतिक सुख सुविधाओं से दूर रहकर भगवान सिद्ध की आराधना में लीन हे, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया जगत शांति की कामना के साथ मंडल पर श्री फल अर्पित हुए, ध्वजा रोहन करता एडवोकेट प्रमोद ऊषा चौधरी , सो धर्म इंद्र कमल क्रांति द्रव्य सहयोग अरविंद अर्चना प्रियेश अर्पिता आर टी ओ कुबेर पदम संगीता श्रीपाल मेना सुंदरी राकेश सुनीता सलामतपुर महायज्ञ नायक शैलेश रेखा अन्य प्रमुख इंद्र विपिन विनीता सिंघई विनोद पुष्पा जैन डॉ शैलेंद्र डॉ स्वाति मनोज नीलिमा सृजन अजीत वंदना बर्फी हाउस प्रशांत अमिता अशोक सुनीता आर एस आनंद नीलम वर्धन चक्रेश ममता चौधरी ऋषभ कमलेश सिंघई निर्मल सरोज हुंडी नरेंद्र शोभा बजाज द्वारा मंडल पर अष्ट द्रव्य अर्पित किए गए, प्राचीन ताड़ पत्र ग्रंथों की प्रदर्शनी प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया नंदीश्वर जिनालय में प्राचीन ग्रंथों की प्रदर्शनी लगाई जा रही हे शनिवार को शुभारंभ होगा, संदीप सरल श्रुतधाम बीना के निर्देशन में प्राचीन धरोहर का लोग अवलोकन कर सकेंगे- अंशुल जैन प्रवक्ता।

श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव की 8वीं वर्षगांठ पर निकली श्री जी की भव्य रथ यात्रा

- धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने लिया बढ़चढ़ कर भाग

तालबेहट (ललितपुर)। राष्ट्र संत आचार्य प्रवर विद्यासागर महाराज एवं नवाचार्य समयसागर महाराज के मंगलमय आशीर्वाद और मुनि पुंगव सुधासागर महाराज की पावन प्रेरणा से शुक्रवार को कसबे के वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में पं. विनोद कुमार शास्त्री बबीना के निर्देशन में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महा महोत्सव की 8वीं वर्षगांठ मनायी गयी। कार्यक्रम के शुभारम्भ में ध्वजारोहण धन्यकुमारी डॉ. जिनेन्द्र कुमार संदीप मगरपुर, देवेंद्र बसार, वीरेंद्र विरधा, कमलेश सिर्सी, अशोक विरधा एवं अंजू सतभैया ने किया। तत्पश्चात मंदिर के शिखरों पर ध्वजरोहण किया गया। चमत्कारी बाबा मूलनायक वासुपूज्य स्वामी एवं संकटमोचक मुनिसुव्रत नाथ स्वामी का अभिषेक अंजेश गुन्देरा, श्रेयांश बबीना, अजय विरधा, रोहित बबीना एवं शांतिधारा राकेश सतभैया, विकास भंडारी, पुष्पेंद्र विरधा, हितेंद्र पवैया ने संपन्न की। कलशभिषेक एवं शांतिधारा के कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने प्रमुख भूमिका निभायी एवं बढ़चढ़ कर भाग लिया । सुशील मोदी ने छत्र चढ़ाया, सुरेन्द्र विरधा एवं चक्रेश बुढ़पुरा ने चमर ढोरे। भारतीय जैन मिलन बहुमण्डल शाखा वासुपूज्य जिनालय ने मंगल आरती उतारी एवं अष्ट प्रातिहार्य स्थापित किये। सोनम जैन ने ज्ञान दीप प्रज्वलित किया एवं स्वाति भंडारी, अलका पवैया, रोशनी, राखी , पिंकी ने मंगल कलश की स्थापना की। राजेश जैन पार्टी के मधुर संगीत में पंचकल्याणक महामंडल विधान का आयोजन किया गया। दोपहर की बेला में श्री जी की भव्य रथ यात्रा निकाली जिसमें तैल चित्र की झाँकी, रथ पर विधि नायक भगवान आदिनाथ स्वामी को लेकर मुख्य इंद्र, धर्मध्वजा लेकर बग्गी में सवार धर्म श्रेष्ठी, डी जे की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते बालिकाएँ,महिलाएँ एवं युवा, सत्य-अहिंसा के नारे लगाते हुए महिला-पुरुष चल रहे थे। पंकज भंडारी ने सारथी की भूमिका निभायी। नगर अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार सहित श्रद्धालुओं ने अपने द्वार को रंगोली से सजाकर श्री जी की मंगल आरती उतारी। शोभा यात्रा प्रमुख मार्गो से होती हुई पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से वापस मंदिर जी आयी। जहाँ महामस्तिकभिषेक शांतिधारा फूलमाल का आयोजन किया गया। मंगलाचरण महेन्द्र कुमार अनिल जैन ने किया। वक्ताओं ने कहा 8 वर्ष पूर्व सरागोद्धारक आचार्य ज्ञानसागर महाराज के मंगलमय सानिध्य में 22 से 27 फरवरी 2018 में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महा महोत्सव का आयोजन किया गया था।

प्रोजेक्ट दधीचि से जुड़कर पशु चिकित्सा कर्मी बने प्रेरणा स्रोत

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के तहत मानवता और जनसेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए बैरन बाजार स्थित जिला वेटनरी हॉस्पिटल में पदस्थ चिकित्सा कर्मचारी श्री राजेश पटेल ने अंगदान का संकल्प लेकर समाज के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिले में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत उन्होंने अंगदान के लिए पंजीयन कर जन जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सम्मान पत्र प्रदान कर उनके इस पुनीत कार्य की सराहना की तथा कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है, जिससे कई लोगों को नया जीवन मिल सकता है।

मानवता की सेवा के लिए रेडक्रॉस सोसाइटी से जुड़ने का आह्वान

रायपुर (विश्व परिवार)। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी एक स्वतंत्र मानव समाजसेवी संस्था है, जो आपदा एवं संकट की परिस्थितियों में पीड़ितों की सहायता के लिए समर्पित है। संस्था द्वारा भूकंप, आग, बाढ़ एवं सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान तथा रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाता है। संस्था से जुड़ने के लिए विभिन्न श्रेणियों में सदस्यता प्रदान की जाती है, जिसमें संरक्षक सदस्य के लिए 25,000 रुपए, उप संरक्षक सदस्य के लिए 12,000 रुपए, आजीवन सदस्य के लिए 1,000 रुपए तथा वार्षिक सदस्यता के लिए 100 रुपए निर्धारित किए गए हैं। इसी क्रम में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा प्रभारी एपीओ जिला पंचायत श्रीमती रुपाली सोनी को रेडक्रॉस सोसाइटी की सदस्यता प्रदान की गई। इस अवसर पर रेडक्रॉस के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से संस्था से जुड़कर मानव सेवा में योगदान देने का आह्वान किया गया।

भगवान महावीर जन्मकल्याणक तक 4200 मशीन वितरण का लक्ष्य निर्धारित

मानव सेवा भक्ति के अंतर्गत बीपी शुगर टेस्टिंग मशीन से 4100 भाई बहनें लाभान्वित

रायपुर (विश्व परिवार)। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा मानव सेवा व साधर्मिक भक्ति पखवाड़ा मनाया गया है । भगवान महावीर स्वामी के जियो और जीने दो , दया , करुणा , अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए सर्वधर्म व साधर्मिक भाई बहनों को बी पी शुगर टैस्टिंग इक्यूपमेंट नि:शुल्क वितरित किए गए । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव तक 4200 भक्तों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है । कोचर व चोपड़ा ने आगे बताया कि कोरोना के बाद युवाओं की अचानक हो रही आकस्मिक मौतों पर विचार विमर्श डॉक्टरी सलाह लेकर घर घर बी पी नापने की मशीन व शुगर टैस्टिंग इक्यूपमेंट का वितरण आरम्भ किया गया । और विशेष अभियान चलाकर 4100 नग बी पी शुगर इक्यूपमेंट वितरण के लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है । कोरोनाकाल के पश्चात वर्तमान में युवाओं की हार्टअटैक से मौत की घटनाओं की बढ़ोतरी हुई है । परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर की बीमारियों ने अनेक जानें ली है । ब्लड प्रेशर कम ज्यादा होना जीवन के लिए घातक हो जाता है । घरों में बी पी मशीन होने से तुरंत प्रारम्भिक इलाज कर जान बचाई जा सकती है , जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा साधर्मिक भक्ति व अनुकम्पा सेवा चातुर्मास के अंतर्गत जैन साधर्मिक परिवारों के लिए स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना का विस्तार किया गया । स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना में 2500 रुपये की सहयोग राशि प्रदान कर एक साधर्मिक परिवार के सजग प्रहरी बन सकते हैं।

इस योजना के अंतर्गत बी पी व शुगर जांच की मशीनों का वितरण किया गया । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि नौकरीपेशा व मध्यमवर्गीय जैन परिवारों को आवश्यकता अनुसार 1 ब्लड प्रेशर मशीन व 1 शुगर टेस्टिंग इक्यूपमेंट दिया जा रहा है । जिन परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर से पीड़ित परिजन हैं सेवा पखवाड़े पर ऐसे 28 परिवारों को मशीन वितरित की गई है । इस अवसर पर भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष चन्द्रेश शाह विशेष रूप से उपस्थित थे । जैन संवेदना ट्रस्ट के वीरेन्द्र डागा व गुलाब दस्सानी ने बताया कि संस्था द्वारा शुगर इक्यूपमेंट के साथ एक पैकेट जांच पट्टी भी दी जा रही है , आगे जांच पट्टी स्वयं को लेनी होगी । ट्रस्ट के महावीर कोचर ने आगे बताया कि जरूरत होने पर ब्लड प्रेशर व शुगर जांच करने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है । ज्ञात हो कि जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा विगत दिनों में साधर्मिक स्वावलंबन योजना के अंतर्गत व्यवसाय में सहयोग किया जा रहा है व सुकन्या विवाह योजना पर कार्य किया जा रहा है।

रैंप योजना: इको टूरिज्म का सेक्टर स्पेसिफिक प्रशिक्षण संपन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी रैंप योजना अंतर्गत भाटापारा में सेक्टर स्पेसिफिक कार्यक्रम के तहत इको टूरिज्म विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सीएसआईडीसी रायपुर के बैनर तले एनआईएमएससी हैदराबाद द्वारा आयोजित की गई। यह प्रशिक्षण 24 से 26 फरवरी को गायत्री शक्तिपीठ भाटापारा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बलौदाबाजार जिले के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े युवा उद्यमियों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं स्थानीय प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को इको टूरिज्म के उभरते रुझानों, सतत पर्यटन विकास, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा स्थानीय रोजगार सृजन के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की उद्योग नीति 2024-30 के प्रावधानों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि बुद्धेश्वर वर्मा (ट्रस्टी, गायत्री शक्तिपीठ भाटापारा) उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में पर्यटन क्षेत्र में नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं सेवा भावना को अपनाने पर विशेष जोर दिया।प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर गौरव यादव (संचालक, नाइट कैंपर्स कोरबा) द्वारा ट्रैकिंग एवं कैंपिंग विषय पर व्यवहारिक वर्कशॉप आयोजित की गई।

दाऊ कल्याण महाविद्यालय में विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम सफल आयोजन सम्पन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय दाऊ कल्याण महाविद्यालय में 26 फरवरी 2026 को बलौदाबाजार जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से परिचित कराना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करना था। यह कार्यक्रम माई भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत सरकार के निर्देशन तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अशोक जैन अध्यक्ष नगर पालिक परिषद बलौदाबाजार, जितेंद्र महाले उपाध्यक्ष नगर पालिक परिषद बलौदाबाजार, प्राचार्य डॉ. ए आर सी जेम्स, डॉ. सी के चंद्रवंशी, डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अशोक जैन ने अपने संबोधन में युवाओं को देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर 11 विद्यार्थियों ने संसद की कार्यवाही का अनुकरण करते हुए आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए।

विद्यार्थियों ने पक्ष एवं विपक्ष की भूमिका निभाते हुए तार्किक एवं प्रभावपूर्ण भाषण दिए, जिससे कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा।

शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल आजीविका प्राप्त करना नहीं बल्कि ज्ञान और बुद्धिमत्ता प्राप्त कर पूरे समाज का विकास होना चाहिए : रमेन डेका

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज एमिटी विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा से ही विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल आजीविका प्राप्त करना नहीं बल्कि ज्ञान और बुद्धिमत्ता प्राप्त कर पूरे समाज का विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवर्तन जीवन का नियम है और शिक्षा हमारे जीवन में कई तरह के सकारात्मक बदलाव लेकर आती है। अगर हम अपनी शिक्षा के माध्यम से समाज में पीछे छूट रहे लोगों का जीवन सुधार पायें उनकी ज़िंदगी बेहतर बना पायें तो हमारा जीवन सफल होगा और इस अनमोल मनुष्य जीवन का सदुपयोग कर पाएंगे। उन्होंने श्री कृष्ण द्वारा भगवत गीता में दिए ज्ञान का ज़िक्र करते हुए कहा कि हमें अपनी अंतर आत्मा से साक्षात्कार करते रहना चाहिए ताकि हम सही और ग़लत में अंतर समझ सकें। अंतरात्मा की सुनेंगे वो आपको कभी ग़लत काम करने नहीं देगी और इसी तरह आप ख़ुद को ईश्वर के नज़दीक पायेंगे और आपको आत्म संतुष्टि प्राप्त होगी। शिक्षा से हम ज्ञान और बुद्धिमत्ता प्राप्त कर सकते हैं।

विधायक भावना ने खंडसरा सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र में लगातार जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने के साथ ही सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज एक और क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। विधायक भावना बोहरा ने ग्राम दशरंगपुर में 3 करोड़ 3 लाख 68 हजार रुपए की लागत से दशरंगपुर से खंडसरा तक 3 किलोमीटर सड़क व पुल-पुलिया निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास की इस सौगात के लिए बधाई दी। यह सड़क निर्माण क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांगों में शामिल था, जिसकी पूर्ति से ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिल रहा है। पुल-पुलिया सहित सुदृढ़ सड़क निर्माण से वर्षभर क्षेत्रवासियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित होगा।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा में विकास कार्यों की निरंतर श्रृंखला डबल इंजन भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और राज्य में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह सड़क पंडरिया विधानसभा के विकास का मजबूत आधार है। यह क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग थी, जिसे हमारी भाजपा सरकार ने गंभीरता से लेते हुए स्वीकृति प्रदान की। वर्तमान समय में पंडरिया विधानसभा अंतर्गत लगभग 400 किलोमीटर से अधिक के सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। हमारी प्रतिबद्धता है कि पंडरिया विधानसभा का कोई भी गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। सड़क, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य, हर क्षेत्र में समग्र विकास हमारी प्राथमिकता है। पंडरिया विधानसभा में लगातार सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, सिंचाई एवं अधोसंरचना निर्माण के कार्य स्वीकृत होकर धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे क्षेत्र विकास की नई दिशा में अग्रसर हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस सड़क के निर्माण से ग्राम दशरंगपुर एवं खंडसरा सहित आसपास के कई गांवों को बारहमासी सड़क सुविधा एवं शहर व नगर से कनेक्टिविटी मिलेगी। किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुंचाने में समय एवं लागत की बचत होगी। स्कूल, अस्पताल एवं बाजार तक सुगम संपर्क स्थापित होगा। आपातकालीन सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित होगी और ग्रामीण व्यापार, व्यापारियों एवं लघु उद्यमों को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही क्षेत्र में सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास व वहां निवासरत परिवारों तक मुलभूत सुविधाओं तथा शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और विकास की मुख्यधारा से उन्हें जोड़कर प्रदेश की समृद्धि व उन्नति में सहभागी बनाने के लिए हम निरंतर प्रयास कर रहें हैं।

इस अवसर पर जिला एवं मंडल पदाधिकारीगण, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, शक्तिकेंद्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंचगण, नगर व जनपद पंचायत के प्रतिनिधि, वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बैंकों और सीएसपीडीसीएल को प्रगति लाने के बैठक में दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा हेतु आज जिला रायपुर में बैठक आयोजित की गई। बैठक कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें जिले के सभी बैंकों के प्रतिनिधि, विद्युत विभाग, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत प्रकरणों, सब्सिडी की स्थिति तथा स्थापित सोलर रूफटॉप सिस्टम की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने जिले के सभी सीएसपीडीसीएल अधिकारियों को क्षेत्रवार प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने सभी बैंक वार लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को ऋण देने में विलंब न करें तथा एसबीआई को नाराजगी जाहिर करते हुए कहां की इस योजना को गंभीरता से लें एवं हितग्राहियों को योजना की जानकारी प्रदान करें ।

कलेक्टर ने आम नागरिकों को योजना का अधिकतम लाभ प्रदान करने हेतु व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, शिविरों का आयोजन करने तथा ग्राम एवं वार्ड स्तर पर प्रभावी प्रचार-प्रसार करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि तकनीकी स्वीकृति, ऋण स्वीकृति एवं सब्सिडी वितरण की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो और सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी बैंक एवं संबंधित विभाग अपनी साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से जिला कार्यालय में प्रस्तुत करें, जिससे योजना की सतत निगरानी सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ प्रदान किया जा सके। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों एवं बैंकों से समन्वय स्थापित कर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, एलडीएम श्री मोहम्मद मोफिज, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

सिन्टेक्स ने लॉन्च की 50 वर्ष की गारंटी वाली टंकी, शुरू किया अपना नया टीवी कैंपेन – पीढ़ियों तक भरोसा मजबूत करने की पहल

मुंबई। वेलस्पन वर्ल्ड की इकाई और भारत में गुणवत्तापूर्ण जल भंडारण समाधानों की अग्रणी एवं भरोसेमंद वॉटर स्टोरेज कंपनी, सिंटेक्स ने साइडवेज़ के साथ मिलकर नया टेलीविजन विज्ञापन अभियान शुरू किया है। इसके तहत 50 साल की गारंटी वाली पानी की टंकी 'सिंटेक्स इटर्नो' को प्रस्तुत किया गया है। इस विज्ञापन को आईसीसी मेन्स T20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान कनेक्टेड टीवी (CTV) पर दिखाया जाएगा। 20 सेकंड का यह विज्ञापन ब्रांड के वादे सबसे सेफ हमेशा पर आधारित है। अपने 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कंपनी ने 50 साल की गारंटी देकर लंबे समय तक टिकाऊपन और पीढ़ियों के भरोसे को रेखांकित किया है। यह 'इटर्नो' टैंक दशकों तक चलने के लिए बनाया गया है, जो सुरक्षा, स्वच्छता और पीढ़ियों के भरोसे का प्रतीक है। 'सिंटेक्स इटर्नो' को दशकों तक टिके रहने के लिए तैयार किया गया है। यह ब्रांड की दीर्घकालिक सोच तथा सुरक्षा, स्वच्छता, मजबूती और भरोसे के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जल प्रबंधन क्षेत्र में निरंतर नवाचार के लिए पहचानी जाने वाली कंपनी ने इस फिल्म के माध्यम से एक नया और ताज़ा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। यह अभियान साइडवेज़ के सहयोग से तैयार किया गया है। 50 साल की गारंटी को केंद्र में रखते हुए, रचनात्मक टीम ने केवल उत्पाद की विशेषताओं के बजाय पीढ़ियों के दृष्टिकोण से कहानी प्रस्तुत की है। दुकान की पृष्ठभूमि में बने 20 सेकंड के इस विज्ञापन में एक हल्का लेकिन असरदार दृश्य दिखाया गया है।

सैमसंग इंडिया ने लॉन्च की अपनी सबसे एडवांस्ड AI फोन सीरीज़– गैलेक्सी S26; शानदार ऑफर्स के साथ प्री-ऑर्डर शुरू

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने घोषणा की है कि उसकी बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी S26 सीरीज़ आज से भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा, गैलेक्सी S26+ और गैलेक्सी S26 अब तक का सबसे आसान और नैचुरल 'एजेंटिक एआई' मोबाइल अनुभव देते हैं। चाहे बात प्लानिंग की हो, जानकारी खोजने की या फिर कंटेंट को कैप्चर और एडिट करने की— गैलेक्सी S26 सीरीज़ हर काम को इतना आसान बना देती है कि यूजर्स को तकनीक की बारीकियों के बजाय सिर्फ बेहतरीन नतीजों पर ध्यान देना होता है। गैलेक्सी S26 सीरीज़ को सैमसंग की सबसे बेहतरीन खूबियों—दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी एआई—को मिलाकर तैयार किया गया है। यह तालमेल गैलेक्सी S26 यूजर्स को सुरक्षा या प्राइवेसी से समझौता किए बिना पूरे दिन बेधड़क अपने फोन पर निर्भर रहने का भरोसा देता है। डिस्प्ले तकनीक में दशकों के नवाचार को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग ने गैलेक्सी S26 अल्ट्रा के साथ मोबाइल इंडस्ट्री का पहला इन-बिल्ट प्राइवेसी डिस्प्ले पेश किया है। यह पिक्सेल लेवल पर प्राइवेसी के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा में कस्टमाइज्ड चिपसेट और पहले से बेहतर थर्मल मैनेजमेंट भी दिया गया है।

बारूका में स्वास्थ्य सेवाओं का 'सिस्टम फेल' – कागजों में इलाज, जमीन पर लापरवाही!

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को हटाने की मांग, जांच टीम गठित

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय से लगभग दस किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बारूका में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर लापरवाही और अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत बारूका के सरपंच-पंच, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्य तथा समस्त मितानिनों ने सामूहिक रूप से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत पत्र सौंपते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर बारूका में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल हटाने की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं ग्रामीणों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु संचालित योजनाओं का ग्राम बारूका में प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा न तो नियमित ग्राम भ्रमण किया जा रहा है और न ही आश्रित गांवों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीणों एवं समिति सदस्यों के अनुसार गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, बीपी-शुगर परीक्षण, सिकल सेल जांच, टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाएं निर्धारित समय पर नहीं मिल रही हैं। आरोप यह भी है कि स्वास्थ्य जांच का अधिकांश कार्य मितानिनों द्वारा किए जाने के बावजूद उनकी रिपोर्ट विभागीय रजिस्टर में दर्ज कर शासन से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि अन्य कर्मचारियों द्वारा प्राप्त कर ली जाती है। मितानिनों ने मानसिक प्रताड़ना की शिकायत भी की है।

मामले की पड़ताल के दौरान मीडिया टीम ने बारूका एवं आसपास के गांवों की सात-आठ प्रसूता महिलाओं से चर्चा की। महिलाओं ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि उनका प्रसव उनके घर पर हुआ था, जबकि विभागीय अभिलेखों में अस्पताल में प्रसव दर्ज किया गया है। महिलाओं का कहना है कि आज तक उन्हें किसी भी प्रकार की शासकीय प्रोत्साहन राशि प्राप्त नहीं हुई, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार बारूका स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम (ह्रू) पदस्थ नहीं है। एएनएम के स्थान पर वीरेंद्र नामक आरएचओ (क्रा।ह्र) की पोस्टिंग की गई है, जो नियमित रूप से बारूका सहित अधीनस्थ गांवों का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सीमित संसाधनों और स्टाफ की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया है। जांच टीम द्वारा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति, मितानिनों तथा पंचायत प्रतिनिधियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच दल के अध्यक्ष बी. बारा ने बताया कि शिकायतकर्ताओं के कथन लिए जा रहे हैं तथा शेष बयान आगामी दिवस में दर्ज किए जाएंगे।

वहीं, ग्राम बारूका में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी से संपर्क किए जाने पर उन्होंने इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

अब पूरे मामले में जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। आरोप सही पाए जाने की स्थिति में स्वास्थ्य विभाग में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

होली पर्व को लेकर शांति समिति की अहम बैठक

हुड़दंगियों और यातायात नियम तोड़ने वालों पर रहेगी कड़ी निगरानी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। आगामी होली पर्व को शांति, सौहार्द और सुरक्षा के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन तथा राजपत्रित अधिकारियों के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई, जिसमें एसडीएम, तहसीलदार, कोतवाली प्रभारी, जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रमुख एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं नागरिकों ने होली पर्व को पारंपरिक गरिमा, आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ मनाने का संकल्प लिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान हुड़दंग मचाने, जबरन रंग लगाने, नशे की हालत में वाहन चलाने तथा कानून व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए बैठक में डीजे एवं तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया। साथ ही नागरिकों से सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरों एवं अफवाहों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की गई। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने हेतु ग्राम कोटवारों को मुनादी कराने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से शांतिपूर्ण वातावरण में होली मनाने की अपील करते हुए मुख्य मार्गों पर होलिका दहन नहीं करने, बिजली तारों के नीचे आग न जलाने तथा हरे-भरे पेड़ों एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने की समझाइश दी। साथ ही अवैध चंदा वसूली, तेज रफ्तार वाहन चलाने और अस्त्र-शस्त्र लेकर घूमने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। प्रशासन ने जिलेवासियों को सुरक्षित, संयमित एवं भाईचारे के साथ होली पर्व मनाने की शुभकामनाएं दी हैं।

इच्छापुर में 'जीराम जी जनचौपाल' संपन्न, चौपाल को सांसद महेश कश्यप ने किया सम्बोधन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत इच्छापुर में आज 'वी. बी. जीराम जी जनचौपाल' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस विशेष जनचौपाल में बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। ग्राम आगमन पर ग्रामीणों ने सांसद महेश कश्यप का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आत्मीय और भव्य स्वागत किया। सभा को संबोधित करने से पूर्व सांसद ने स्थानीय मंदिर में बजरंगबली के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और समूचे बस्तर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। भक्तिभाव के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में ग्रामीणों का भारी उत्साह देखने को मिला। जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए एक महत्वपूर्ण बताया । उन्होंने बताया कि अब प्रति ग्रामीण परिवार को वर्ष में 125 दिन का अकुशल शारीरिक रोजगार प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में मनरेगा

के तहत केवल 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान था, जिसे अब बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। सांसद ने कहा कि इस अतिरिक्त रोजगार से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे। योजना के क्रियान्वयन पर विस्तृत जानकारी देते हुए सांसद कश्यप ने स्पष्ट किया कि इस पूरी योजना का प्रबंधन अब सीधे ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाएगाद्य भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अब डिजिटल प्रणाली को अपनाया गया है। अब कार्यों में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण को अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे वास्तविक मजदूरों को ही लाभ मिले। ?सांसद ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अब उन्हें अपनी मजदूरी के लिए लंबा इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि सरकार ने साप्ताहिक मजदूरी भुगतान की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की है। जनचौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। श्री कश्यप ने प्रत्येक आवेदन को ध्यानपूर्वक सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और समयबद्ध निराकरण हेतु कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सुविधा पहुँचाने की है। इस अवसर पर भाजपा मण्डल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता,स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

इंदौर में KWC Luxurio की शानदार एनिवर्सरी: रकुल प्रीत सिंह की मौजूदगी में सजा लग्ज़री और विरासत का जश्न

इंदौर में एक ग्लैमरस और यादगार शाम देखने को मिली, जब KWC Luxurio ने अपनी एनिवर्सरी के मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह की मौजूदगी में एक खास पार्टी का आयोजन किया। शाम शानदार डेकोर, लाइव म्यूज़िक और खास मेहमानों, घड़ियों के शौकीनों और शहर के एलीट लोगों की मौजूदगी से और भी मज़ेदार हो गई। अपनी विज़िट के दौरान, रकुल प्रीत सिंह ने कुछ बढ़िया घड़ियाँ देखीं और कमल ग्रुप के डायरेक्टर से बातचीत की, जिससे उन्हें ब्रांड की विरासत और कारीगरी के बारे में जानकारी मिली — जिससे यह सेलिब्रेशन इंदौर में लग्ज़री रिटेल के लिए सचमुच एक खास पल बन गया। लगभग छह दशक पहले चेयरमैन श्री चांदमल तोतला द्वारा शुरू की गई, कमल वॉच कंपनी एक भरोसेमंद वॉच रिटेलर से बढ़कर प्रीमियम वॉच रिटेल में भारत के सबसे जाने-माने नामों में से एक बन गई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग (वि. / यां.) मंडल, बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

नि.आ.सू. दिनांक 23/02/2026 तथा Online Bid Submission की अंतिम तिथि 11/03/2026

Physical Submission Last Date 18/03/2026

ऑनलाईन निविदा प्रथम आमंत्रण

क्र.	नि.आ.सू. क्रमांक	ऑनलाईन टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	84	186323	Supply, Installation, Testing & Commissioning of High Mast Light in Civil Court Building, Bilha, Distt. - Bilaspur (C.G.)	10.45
2	85	186331	Replacement of Existing Damaged Bollard Light installed in Garden at Back Side of High Court Building, Bodari, Bilaspur (C.G.)	11.31

नि.आ.सू. दिनांक 23/02/2026 तथा Online Bid Submission की अंतिम तिथि 09/03/2026

Physical Submission Last Date 13/03/2026

ऑनलाईन निविदा द्वितीय आमंत्रण

क्र.	नि.आ.सू. क्रमांक	ऑनलाईन टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	86	186333	Supply, Installation, Testing & Commissioning of Turn pad Center line Light at Runway End 17 side at Bilasa Devi Kewat Airport, Chakarbhatha, Bilaspur (C.G.)	55.39

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., (वि./यां.) मण्डल
बिलासपुर (छ.ग.)

G-252606937/2

विस्तार योजनाएं सिर्फ कागजों पर, उपेक्षा का शिकार जगदलपुर एयरपोर्ट

न जनप्रतिनिधि ना अफसर, कोई पहल नहीं कर रहा

राजेश दनानी

जगदलपुर। प्रदेश के अन्य एयरपोर्टो की तुलना में जगदलपुर की स्थिति और भी पीछे दिखाई देती है। बिलासपुर में पिछले बजट की राशि से नाईट लैंडिंग सुविधा तैयार कर दी गई जबकि जगदलपुर में अन्य तक कोई बड़ा निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। स्थानीय अफसर इसके पीछे की वजह बताते है कि जो काम यहां होने है उसके मानक डीजीसीए ने तय किए है और उस उच्च मानक के अनुरूप काम करने वाली कोई कंपनी नहीं मिल रही है।

उड़ान के सपनों को कब पंख लगेंगे?

हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए बिलासपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर जैसे शहर कभी आसमान की ओर तो कभी सरकार की ओर उम्मीद से देखते हैं। मगर, इस बार राज्य बजट में जब केवल 80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया तो साफ हो गया कि अभी छत्तीसगढ़ के द्वितीय दर्जे के शहरों को विकास का पंख लगाने में काफी समय लगेगा।

देश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए महत्वाकांक्षी योजना उड़ान शुरू की गई। लगभग दस वर्ष हो चुके हैं, तब भी ये तीनों शहर नियमित और भरोसेमंद उड़ानों से नहीं जुड़ पाए हैं। योजना का उद्देश्य ही था कि देश के दूरदराज और उपेक्षित क्षेत्रों को सस्ती हवाई सेवा से जोड़ा जाए। सरकार ने एयरलाइंस को वायबिलिटी गैप फंडिंग देकर जोखिम कम करने की कोशिश की। सैकड़ों रूट शुरू हुए, लाखों यात्रियों ने यात्रा की। लेकिन कई रूट शुरू होकर बंद भी हो गए। सीमित सब्सिडी अवधि, एयरलाइंस की आर्थिक कठिनाइयां और कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी समस्याएं बार-बार सामने आ रही हैं।

इस समय बिलासपुर से दिल्ली और कोलकाता की उड़ानें घटाई जा चुकी है। जगदलपुर से हैदराबाद और रायपुर सेवा बंद हो गई। अंबिकापुर में कभी सेवा शुरू होती है, कभी बंद हो जाती है। 80 करोड़ रुपये का प्रावधान विस्तार और आधुनिक सुविधाओं के लिए अपर्याप्त है। अकेले बिलासपुर को रनवे विस्तार और 4सी श्रेणी के लिए 300 करोड़ रुपये की जरूरत है। यहां नाइट लैंडिंग का ट्रायल हो चुका है, पर तकनीकी स्टाफ की जरूरत के मुताबिक नियुक्ति ही नहीं की गई है।

उड़ानों के संचालन में मुख्य रूप से एलायंस एयर पर निर्भरता बनी हुई है। ओपन टेंडर न होने से निजी एयरलाइंस की भागीदारी नहीं हो पा रही है। छोटे विमान कम होने से एलायंस एयर कभी भी उड़ानों का समय बदल देती है या सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर देती है। यह अनिश्चित स्थिति यात्रियों का भरोसा तोड़ती है, जिसे बाद में पर्याप्त ट्रैफिक नहीं मिलने की बात कह दी जाती है। दूसरे राज्यों की स्थिति छत्तीसगढ़ से बेहतर है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने केंद्र के साथ बेहतर तालमेल और निजी निवेश को आकर्षित किया है। वहां यात्री संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उद्योग, खनिज, वन संपदा और पर्यटन की अपार संभावनाओं वाले छत्तीसगढ़ में भी यह मुमकिन है। उद्योगपतियों, छात्रों, मरीजों और पर्यटकों के लिए त्वरित कनेक्टिविटी आवश्यक होती है। हवाई सेवा केवल सुविधा नहीं, निवेश और रोजगार का जरिया भी है।

हाल ही में बिलासपुर एयरपोर्ट को उसी-आईएफआर लाइसेंस के बाद यहां से ऑल वेदर ऑपरेशन और नाइट लैंडिंग संभव हो चुका है। यदि ओपन टेंडर जारी कर निजी कंपनियों जैसे इंडिगो, स्पाइसजेट या अकासा को अवसर दिया जाए, तो हैदराबाद,कोलकाता और इंदौर जैसे शहरों से सीधी उड़ानें शुरू हो सकती हैं। मगर, जरूरी है कि राज्य सरकार केंद्र के साथ समन्वय और पहल करे। राज्य की स्थापना से ही छत्तीसगढ़ के दूसरे शहरों के लोग महसूस कर रहे हैं कि विकास का मतलब केवल राजधानी रायपुर रह गया है, वे पिछड़ते जा रहे हैं। हवाई सेवाओं में विस्तार से उनकी शिकायत काफी हद दूर हो सकती है।

रायपुर नगर निगम मेयर कप क्रिकेट स्पर्धा: नगर निगम जोन 7 ने जोन 1 की टीम को हराकर किया सेमीफाइनल में प्रवेश

रायपुर(विश्व परिवार) रायपुर नगर पालिक निगम मेयर कप क्रिकेट स्पर्धा के अंतर्गत दिनांक 27 फरवरी 2026 को संध्या 6 बजे से नगर निगम मुख्यालय और जोन 6 की टीमों के मध्य क्वार्टर फाइनल मैच नेताजी सुभाषचन्द्र बोस स्टेडियम में होगा, वहीं रात्रि 8 बजे नगर निगम जोन 5 की टीम जोन 8 की टीम से क्वार्टर फाइनल मैच खेलेगी.

आज संध्या 6 बजे से हुए पहले क्वार्टर फाइनल मैच में नगर निगम जोन 7 की टीम ने जोन 1 की टीम को हराकर स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. जोन 1 की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 10 सीमित ओवर मैच में 117 रन बनाये . निगम जोन 7 की टीम ने मात्र 6 ओवर में 118 रन का लक्ष्य पार कर क्वार्टर फाइनल मैच को गोपाल और झालेश्वर साहू की आतिशी बल्लेबाजी की सहायता से आसानी से जीत लिया और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया निगम जोन 7 की विजय में गोपाल और झालेश्वर साहू की आतिशी बल्लेबाजी और एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू की शानदार गेंदबाजी की प्रमुख भूमिका रही. गोपाल लगातार दूसरी बार मैन ऑफ द मैच बने और एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू बेस्ट बालर, झालेश्वर साहू बेस्ट बेट्समैन क्वार्टर फाइनल मैच में घोषित किए गये.

नगर निगम जोन 7 के इन तीनों खिलाडियों गोपाल, भोलाराम साहू, झालेश्वर साहू को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु नगर निगम खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर साहू ने एमआईसी सदस्य सर्वश्री मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, दीपक जायसवाल, पार्षद श्री आनंद अग्रवाल सहित नगर निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता श्री यू. के. धलेन्द्र,अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर, उपायुक्त खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग श्री जसदेव सिंह बाबरा, जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री सुशील मोडेस्टस की उपस्थिति में मैदान में ट्राफी देकर सम्मानित किया.

एमआईसी सदस्य श्री भोलाराम साहू ने छत्तीसगढ़ी में पहले क्वार्टर फाइनल मैच का आँखों देखा हाल सुमधुर स्वरों में सुनाकर सबको मन्त्रमुग्घ कर दिया.

खंडित मूर्ति को लेकर आकाश तिवारी ने उठाया मुद्दा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर राजधानी के प्रमुख चौकों में से प्रमुख भक्त माता कर्मा की प्रतिमा के रूप में तेलघानी नाका चौक के रूप में जाना जाता है। जो साहू समाज सहित हम सब की आस्था का केंद्र है उक्त भक्त माता के स्वरूप इस चौक की आज दुर्दशा हो रही है विगत कई माह से माता की प्रतिमा का हाथ टूटा हुआ है। स्मार्ट सिटी की स्वरूप लिए राजधानी के प्रमुख स्थल पर इस चौक की ऐसी दशा समझ से परे है पिछले सामान्य सभा जो 29 अक्टूबर 2025 को हुई थी उस में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी द्वारा उक्त चौक की हो रही अनदेखी को फोटो के माध्यम से पूरे सदन को बताया गया था और मांग की गई थी कि उक्त चौक की प्रतिमा को जल्दी से जल्द नवीन स्वरूप दिया जाए और उक्त चौक का सौंदर्य करण किया जाए किंतु आज 5 माह बीत जाने के बाद भी चौक की हालत जस के तस जैसी बनी हुई है। ट्रिपल इंजन की सरकार में हम सब की आस्था की प्रमुख धरोहर भक्त माता कर्मा साहू समाज के साथ पूरे प्रदेश की आस्था का केंद्र है।

पॉवर कंपनी से ईडी. गजपाल, सीई अग्रवाल सहित सात अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ में कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंता सहित कुल सात अधिकारी-कर्मचारियों को गरिमामय वातावरण में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर विशेष रूप से उपस्थित रहे।प्रबंध निदेशकगणों ने सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री एस.के. गजपाल एवं मुख्य अभियंता श्री विनोद कुमार अग्रवाल को प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। अपने उद्बोधन में श्री शुक्ला एवं श्री कंवर ने कहा कि श्री गजपाल एवं श्री अग्रवाल ने अपने कार्यकाल में उत्कृष्ट नेतृत्व, समर्पण और कार्यकुशलता का परिचय दिया। कंपनी के विकास, परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य रहा है। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों की कार्यशैली, अनुशासन और टीम भावना की सराहना करते हुए कहा कि उनका अनुभव और मार्गदर्शन सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री गजपाल एवं मुख्य अभियंता श्री अग्रवाल ने अपनी सेवायात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें अपने सहयोगी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सदैव सकारात्मक सहयोग, आत्मीयता एवं समर्थन प्राप्त हुआ, जिसके लिए वे हृदय से आभारी हैं। इस अवसर पर ईडी सर्वश्री वी.के.साय, के एस मनोठिया, जे.एस.नेताम, एमएस चौहान, आरपी नामदेव, संदीप मोदी एवं मुख्य अभियंता सर्वश्री श्री संजय तिवारी, गिरीश गुप्ता, एम.जामुलकर, वी.के.दीक्षित, के.बी.पात्रे, श्रीमती शारदा सोनवानी, अब्राहम वर्गीस, संजीव सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

एमएसएमई के लिए अवसर और प्रथाएँ विषय पर बलौदाबाजार में कार्यशाला का आयोजन हुआ

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), रायपुर ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र (DTIC) बलौदाबाजार के सहयोग से एमएसएमई, भारत सरकार की RAMP योजना के तहत ग्रीन पैकेजिंग: एमएसएमई के लिए अवसर और प्रथाएं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (CSIDC) द्वारा प्रायोजित किया गया था।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री नारायण सिंह ठाकुर, प्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र (DTIC), बलौदाबाजार, श्री गुरुमुख गंगवानी, चैंबर ऑफ कॉमर्स, भाटापारा, श्री रंजीत दवानी, अध्यक्ष, पोहा मिल एसोसिएशन और श्री नरेश आर्य, अध्यक्ष, दाल मिल एसोसिएशन ने किया। श्री एन. रविन्द्र रेड्डी, प्रबंधक (तक.) ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता श्री रेहान अली प्रधान, संस्थापक और सीईओ, मेटोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर ने ग्रीन पैकेजिंग के लिए एग्रो बायोप्रोडक्ट्स का उपयोग करके बायोपॉलिमर कंपाउंड्स पर प्रस्तुति दी। श्री प्रेम आनंद राव, समन्वयक, उद्यमिता विकास, एमएसएमई-डीएफओ, रायपुर ने सस्टेनेबल पैकेजिंग के लिए बाजार लिंकेज पर व्याख्यान दिया और श्री एन रवींद्र रेड्डी, सीपेट रायपुर ने ग्रीन पैकेजिंग- एक व्यावहारिक रोडमैप पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। श्री नारायण सिंह ठाकुर ने डीआईसी, बलौदाबाजार द्वारा संचालित योजनाओं और नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में बताया।

कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ समस्याओं और समाधानों पर चर्चा की।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के लिए पोसैता स्टेशन में 2 एक्सप्रेस गाड़ियों का अस्थायी ठहराव

रायपुर(विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा आध्यात्मिक उत्थान मंडल ट्रस्ट के वार्षिक निःशुल्क चिकित्सा शिविर में शामिल होने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली 02 एक्सप्रेस गाड़ियों का अस्थायी ठहराव दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के पोसैता स्टेशन में 01 मिनट के लिए दिया जा रहा है ।

विवरण इस प्रकार है - दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी 7 यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 16.09 बजे पहुंचेगी तथा 16.10 बजे रवाना होगी। दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक आरा से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 09.58 बजे पहुंचेगी तथा 09.59 बजे रवाना होगी। दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक पुरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18477 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 07.34 बजे पहुंचेगी तथा 07.35 बजे रवाना होगी। दिनाँक 28 फरवरी से 06 मार्च 2026 तक योगनगरी ऋषिकेश से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18478 योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस पोसैता स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी पोसैता स्टेशन 15.38 बजे पहुंचेगी तथा 15.39 बजे रवाना होगी।

बीरगांव में आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 एवं छत्तीसगढ़ स्वच्छता लीग की दी गई ट्रेनिंग

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 एवं छत्तीसगढ़ स्वच्छता लीग की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में निगम कार्यालय में टूल किट संबंधी विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा की उपस्थिति रही। साथ ही हेल्थ ऑफिसर श्री कमल नारायण जंघेल एवं जिला समन्वयक (PIU) श्री विकास कुमार जांगड़े द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण की टूल किट की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस दौरान निगम के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, सभी विभाग प्रमुख, उप अभियंता, स्वच्छता निरीक्षक, सफाई ठेकेदार, सफाई सुपरवाइजर एवं स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं।

आंजनेय यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय INCON 26: अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय यूनिवर्सिटी द्वारा दो दिवसीय INCON 26 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का विषयङ्क ग्लोबल कन्वर्जेन्स = बिज़नस, टेक्नोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट रखा गया है । सम्मेलन को छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (CSIDC), छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इट्सा हॉस्पिटल, यूनिवर्सल फाइन केमिकल्स एवं आशीर्वाद ब्लड बैंक सहित विभिन्न संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ। यह सम्मेलन हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) में आयोजित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य व्यवसाय, प्रौद्योगिकी और मानविकी के क्षेत्रों को एक मंच पर लाकर सतत विकास (Sustainable Development) के लिए नए विचारों, शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञान के आदान-प्रदान और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एन. वी. रामन्ना राव, निदेशक, NIT रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाई प्रदान की। अपने उद्बोधन में उन्होंने तकनीकी शिक्षा, नवाचार एवं उद्योगङ्कअकादमिक सहयोग की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अनिवार्य है। उन्होंने युवाओं को शोध-उन्मुख सोच विकसित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

कलिंगा विश्वविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित

- यंग इंडियंस, योगा क्लब और विज्ञान संकाय का संयुक्त आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय के यंग इंडियंस और योगा क्लब के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन बुधवार दिनांक 25 फ़रवरी 2026 को किया गया। इसका विषय है- बॉडी बियॉन्ड बॉडी और एक्सपर्ट थे डॉ. अनिल गुप्ता। डीन, विज्ञान संकाय डॉ. अनजानेलु बेंदी ने पौधा देकर डॉ. अनिल गुप्ता, डॉ. स्मृति सिंह और यंग इंडियंस के हेल्थ चेयर श्री अंकित गोयल का स्वागत किया।

डॉ. अनिल गुप्ता ने फैकल्टी और स्टूडेंट को संबोधित करते हुए बताया - जीवन में प्रगति के लिए मानसिक रुप से स्वस्थ होना आवश्यक है जो वैदिक विज्ञान का भाग है, इसका समाधान भी वैदिक विज्ञान में है। शरीर एक मशीन है और इसके अंग मशीन के कई भाग हैं। पर्सनालिटी हमें एक दूसरे से अलग दिखाती है लेकिन हम दूसरे जैसा बनना चाहते हैं और अपने गुण भूल जाते हैं जो हमारी प्रगति में सहायक है। 20 प्रतिशत फिजिकल है और 80 परसेंट मेटा फिजिकल है। मन एक सॉफ्टवेयर है और दिमाग़ कंप्यूटर है। अधिकतम समस्याएं मानसिक है ना कि शारीरिक। पॉवर ऑफ़ सब कॉन्सेयस माइंड को समझना होगा, इसे कोई हाईजैक ना कर ले। सोशल साइट पर स्टडी करने लोग जाते हैं लेकिन किसी विज्ञापन को क्लिक कर अनचाहे धोखाधड़ी के शिकार हो जाते हैं।

दो माह से वेतन लंबित, आर्थिक तंगी से जूझ रहे एनएचएम कर्मचारी

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण वे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। एनएचएम संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री डॉ अमित मिरी ने बताया कि होली जैसे बड़े त्यौहार के नजदीक होने के बावजूद कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी के बजाय चिंता साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के इस दौर में बिना वेतन परिवार का भरण-पोषण, वृद्ध माता पिता की दवाई घर का किराया, इस परीक्षा के बच्चों का स्कूल का फीस, अत्यंत कठिन हो गया है। कर्मचारियों के सामने अपने बच्चों एवं परिवार के लिए त्यौहार की आवश्यक वस्तुएँ खरीद पाना भी संभव नहीं हो पा रहा है। यदि समय पर वेतन जारी नहीं हुआ तो इस बार भी होली फीकी रहने की आशंका है। संघ के प्रदेश प्रवक्ता पुरन दास ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यंत निराश जनक बताते हुए कहा कि में वर्षभर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मचारियों को ही होली जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार के समय वेतन के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। उन्होंने शासन एवं विभागीय अधिकारियों से कर्मचारियों की पीड़ा को गंभीरता से लेने की अपील की। उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य सचिव एवं उच्च अधिकारीयों द्वारा पूर्व में दिए गए आश्वासनों के बावजूद वेतन जारी करने में देरी क्यों हो रही है? साथ ही एनएचएच कर्मचारियों की छ जायज मांगों को लंबित रखना उचित नहीं है।

विधायक भावना ने विधानसभा में गो-वंश संरक्षण एवं संवर्धन का मुद्दा उठाया

- सांस्कृतिक योजनाओं में स्थानीय कलाकारों की सहभागिता को लेकर प्रश्न किया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के दौरान पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रदेश में गो-वंश संरक्षण व संवर्धन एवं सांस्कृतिक आयोजनों के सन्दर्भ में विधानसभा में मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने गौशाला में गो-वंश के लिए चारा, पानी, शेड व मुलभुत सुविधाओं तथा उनके स्वास्थ्य व नियमित टीकाकरण के विषय और सांस्कृतिक योजनाओं में स्थानीय कलाकारों की सहभागिता को लेकर प्रश्न किया।

भावना बोहरा ने प्रश्न किया कि राज्य में वर्तमान में पंजीकृत एवं अपंजीकृत गो-शालाओं की कुल संख्या कितनी है? गो-वंश संरक्षण एवं संवर्धन हेतु राज्य सरकार द्वारा कौन-कौन सी योजनाएँ संचालित किए जा रहे हैं तथा वर्ष 2024-25 में इसके लिए कितनी राशि आबंटित एवं व्यय की गई है? गो-शालाओं में चारा, पानी, पशु-चिकित्सा एवं टीकाकरण जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु क्या व्यवस्था की गई है? निराश्रित एवं सड़कों पर विचरण करने वाले गो-वंश की पहचान, पकड़ एवं संरक्षण के लिए क्या ठोस कार्ययोजना लागू की गई है? जिसके लिखित प्रतिउत्तर में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम जी ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 135 पंजीकृत एवं 54 अपंजीकृत, इस प्रकार कुल 189 गौशालाएं है। गौवंश संरक्षण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग द्वारा गौशाला का पंजीयन तथा गौधाम योजनांतर्गत गौधाम का पंजीयन किया जाता है। वर्ष 2024-25 में 135 पंजीकृत गौशालाओं को उनकी मांग अनुसार राशि रू. 1922.00 लाख अनुदान, आदर्श गौधाम एवं गोकुल ग्राम झालम, जिला बेमेतरा में संरक्षित पशुधन हेतु राशि रू. 29.75 लाख प्रदाय किया गया है एवं 11 पंजीकृत गौधामों को अद्यतन प्रदाय राशि निरंक है। माननीय मंत्री जी ने बताया कि गो-वंश संवर्धन हेतु राज्य सरकार द्वारा पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, शत-प्रतिशत अनुदान पर सांड वितरण योजना एवं उन्नत मादा वत्सपालन योजना संचालित किए जा रहे हैं जिसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 में पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम अंतर्गत 3 करोड़ 35 लाख 85 हजार से अधिक, शत-प्रतिशत अनुदान पर सांड वितरण योजना के तहत 80.50 लाख तथा उन्नत मादा वत्सपालन योजना के तहत 249.90 लाख रुपए आवंटित की गई।

राज्यपाल के गोद ग्राम पंचायत बिजली के ग्रामीणों ने किया लोकभवन का भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज अपने गोद ग्राम बिजली, जिला गरियाबंद से आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गांव में चल रहे विकास कार्यो की प्रगति के बारे में ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उनके कार्यालय को अवगत कराएं। राज्यपाल से मिल कर ग्रामीण बहुत खुश नजर आए। उनकी आत्मीयता को देखकर ग्रामीण भावुक हो उठे और कहा कि राज्यपाल जी से उन्हें बहुत अपनत्व मिलता है। उनके गांव के विकास के लिए सभी ग्रामीणों ने राज्यपाल का आभार व्यक्त किया। सरपंच श्रीमती पदमा निषाद ने बताया कि राज्यपाल जी के द्वारा उनके ग्राम पंचायत में टिन शैड, वॉटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज पीट, नाडेप इत्यादि का काम करवाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

किसान हितैषी विष्णु सरकार

वृहद किसान सम्मेलन

दो साल में विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों के खाते में ₹1.50 लाख करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

- 33,431 करोड़ रूपए समर्थन मूल्य का भुगतान
- 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी
- वर्ष 2025-26 में 141.04 लाख मीट्रिक टन की धान खरीदी
- 11,000 रूपए प्रति एकड़ की दर से दलहन, तिलहन,मक्का,कपास, कोदो-कुटकी-रागी पर भी इनपुट सब्सिडी

जीएसटी 2.0 लागू होने से कृषि उपकरण हुए सस्ते

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दो साल में 26 लाख किसानों को ₹10,784 करोड़ वितरित

रबी सीज़न 2023-24 से 2025-26 के बीच
खाद की खपत 41,84,850 मीट्रिक टन | खाद सब्सिडी ₹7593.22 करोड़

कृषक उन्नति योजना

अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण समारोह

सभी 146 विकासखण्डों में आयोजन

25.28 लाख किसानों के खातों में

₹10,324 करोड़ की आदान सहायता राशि होगी वितरित

बजट 2026-27 में कृषि क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान

- **₹600 करोड़** दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना
- **₹5,500 करोड़** विद्युत पम्पों हेतु बिजली सब्सिडी
- **₹820 करोड़** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
- **₹250 करोड़** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को अनुदान
- **₹170 करोड़** उद्यानिकी विश्वविद्यालय
- **₹170 करोड़** एकीकृत वाटर शेड प्रबंधन कार्यक्रम
- **₹150 करोड़** एकीकृत बागवानी विकास मिशन

SAMVAD- 47030/114

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

28 फरवरी 2026
खेल मैदान रहंगी, बिल्हा, जिला-बिलासपुर

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in